RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 120 ● भिलाई, गुरुवार 13 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली धमाके के बाद सोशल मीडिया पर जांच एजेंसियों की नजर

नई दिल्ली। दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के नजदीक हुए कार धमाके की जांच तेज हो गई है। सूत्र बताते हैं कि जांच एजेंसियां सोशल मीडिया और मोबाइल कम्युनिकेशन पर कड़ी नजर रख रही हैं। जांच एजेंसियां मोबाइल फोन के डंप डेटा पर फोकस कर रही हैं और कई इलाकों से यह डेटा लिया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, लालकिले के आसपास ऑपरेट हो रहे सभी मोबाइल फोनों का डंप डेटा लिया जा रहा है। पार्किंग क्षेत्र में खड़ी गाड़ी से जुड़े संभावित फोन नंबरों की पहचान की जा रही है। इसके अलावा, धमाके वाली गाड़ी में सवार लोग या इससे जुड़े व्यक्तियों ने आपस में बातचीत की होगी, इसलिए पार्किंग फोन डेटा को अहम सबूत माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, फरीदाबाद क्षेत्र में भी डंप डेटा के जरिए कम्युनिकेशन पैटर्न के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि यह पता चल सके कि कितने लोग आपस में संपर्क में थे। सूत्र बताते हैं कि डंप डेटा से उन फोन नंबरों का सुराग मिल सकता है जो धमाके से सीधे जुड़े हों।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटी, चार युवकों की मौत

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले में तेज रफ्तार कार के पलट जाने से उसमें सवार चार युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना वुयुरु मंडल के गंडीगुंटा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। कार पलट गई और सर्विस रोड पर गिर गई। गनीमत रही कि सर्विस रोड पर किसी वाहन से उसकी टक्कर नहीं हुई। कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि तेज रफ्तार के कारण यह दुर्घटना हुई। मृतक विजयवाड़ा के पास कोंडुरु गांव के निवासी थे। उनकी पहचान कोनाटामा चिंतैया (17), चत्रगड्डा राकेश बाबू (24), प्रिंस बाबू (23) और गोरीपर्ती बापनैया (24) के रूप में हुई है। इस बीच, हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग पर एक निजी ट्रैवल बस में आग लगने से यात्री बाल-बाल बच गए।

दिल्ली में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण पर बड़ा फैसला,ग्रेप-3लागू

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। शहर के विभिन्न हिस्सों में धुआं स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए केंद्र सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में गैर-जरूरी निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही जीआरएपी-3 के तहत कई नए प्रतिबंध लागू कर दिए गए हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीक्यूएम) के अनुसार, मंगलवार को जहां दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 362 था, वहीं मंगलवार सुबह यह बढ़कर 425 हो गया। शांत हवाओं, स्थिर वातावरण और सर्द मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण प्रदूषक सतह के पास ही जमा हो रहे हैं।

दिल्ली धमाके का तुर्किए कनेक्शन...

जैश ए मोहम्मद से मिला था आतंकी उमर नबी और मुजम्मिल

नई दिल्ली/ एजेंसी

लाल किला के बाहर आइ-20 कार में हुए धमाके में हाई ग्रेड मिलिट्री विस्फोटक का इस्तेमाल हुआ था। जांच से जुड़े अधिकारियों का मानना है कि धमाके की तीव्रता और उससे हुए नुकसान से साफ है कि यह अमोनियन नाइट्रेट जैसे साधारण विस्फोटक से संभव नहीं है, जिन्हें आतंकियों के फरीदाबाद के ठिकाने से बरामद किया गया था। वहीं, आतंकी उमर और मुजम्मिल के तुर्किये जाने और वहां जैश ए मोहम्मद के हैंडलर्स के भी सबूत मिल रहे हैं। इससे साफ है कि लालकिला का धमाका भले ही हताशा में किया गया हो, लेकिन लंबी तैयारी यह थी कि 26/11 की तरह कई स्थानों पर एक साथ हमला कर दिल्ली को दहलाया जाए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मिलिट्री ग्रेड विस्फोटक की पुष्टि होने की स्थिति में इसके पीछे पाकिस्तानी सेना की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता है। अगर यह पुष्ट होता है तो इस घटना की प्रतिक्रिया का रूप भी अलग हो सकता है। धमाके वाली क्षतिग्रस्त कार के सभी पार्ट्स को मंगलवार देर रात ट्रक में डालकर जांच के लिए रोहिणी स्थित फोरेंसिक साइंस लैब में ले जाया गया। वहां एफएसएल की टीम, सीबीआइ और एनआइए की फोरेंसिक टीम कार से नमूने उठाकर जांच कर रही है। एक्सपर्ट का कहना है कि धमाके के बाद सभी वाहनों में लगी आग को बुझाने के लिए अग्निशमन कर्मियों को पानी इस्तेमाल करना पड़ा। इससे विस्फोटक में इस्तेमाल केमिकल धूल गए या क्षतिग्रस्त हो गए। इसकी वजह से तीन दिन बाद भी विस्फोटक के बारे में

निष्कर्ष तक नहीं पहुंच जा सका है। धमाके में क्षतिग्रस्त अन्य सभी वाहनों के अलावा आसपास की जमीन व अन्य जगहों से नमूने उठाने और जांच करने का काम किया जा रहा है। मौके से करीब 200 से अधिक नमूने उठाए गए हैं जिनकी लैब में जांच की जा रही है और मौके पर भी फोरेंसिक वैन में नमूने की जांच की जा रही है। मिलिट्री ग्रेड का विस्फोटक इस्तेमाल होने की पुष्टि होने की स्थिति में इसके पीछे पाकिस्तानी सेना की संलिप्तता की आशंका बढ़ जाएगी। जांच से पता चला कि जैश आतंकियों ने दिल्ली-एनसीआर के शहरों में भारी तबाही मचाने की बड़ी साजिश रची थी। इनकी साजिश बीते 26 जनवरी को लाल किला व दीपावली त्योहार के दौरान प्रमुख बाजारों में सीरियल धमाका करने की थी, लेकिन तैयारियां पूरी न होने के कारण इन्होंने अंतिम समय में अपने टारगेट को रद कर दिया था। ये लोग किसी बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम दे पाते इससे पहले पुलवामा में जैश ए मोहम्मद के समर्थन में पोस्टर लगाने से जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जब पुलवामा से लेकर दिल्ली-एनसीआर में आतंकियों की धर पकड़ शुरू कर दी तब हताशा में डा. उमर नबी ने सोमवार शाम लाल किला के बाहर आत्मघाती हमला कर दिया। जांच में सामने आया है कि इस मोड्यूल का हैंडलर पाकिस्तान से इन्हें निर्देश दे रहा था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक लाल किला के बाहर बीते जनवरी के पहले हफ्ते में डा. उमर नबी ने अपने साथी डा. मुजम्मिल के साथ मिलकर लाल किले की रेकी की थी।

दिल्ली ब्लास्ट से जुड़ी लाल कार मिल गई,फरीदाबाद पुलिस को यहां खड़ी मिली थी

दिल्ली बम धमाके से जुड़ी एक और संदिग्ध लाल रंग की कार मिल गई है। लाल रंग की इकोस्पोर्ट कार को फरीदाबाद पुलिस ने खोज निकाला है। यह का खंडावली गांव के पास खड़ी मिली थी। फरीदाबाद पुलिस ने तुरंत कार को अपने कब्जे में ले लिया है। बता दें कि कुछ देर पहले ही दिल्ली पुलिस ने इस लाल रंग की इकोस्पोर्ट्स कार के लिए अलर्ट जारी किया था। दिल्ली पुलिस के अलर्ट के बाद इस लाल रंग की एसयूवी की खोज शुरू हो गई थी। फरीदाबाद पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली विस्फोट मामले के मुख्य संदिग्ध, डॉ. उमर उन नबी से जुड़ी होने के संदेह में फरीदाबाद पुलिस ने एक लाल रंग की इकोस्पोर्ट कार (नंबर ष्ठरु10 ष्टद्य 0458) को अपने कब्जे में ले लिया है। यह कार खंडावली गाँव के पास खड़ी मिली थी।

अब उनका इलाज घर पर ही होगा

धर्मेंद्र अस्पताल से डिस्चार्ज घर के बाहर फैंस का हुजूम

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को अस्पताल से डिस्चार्ज कराकर देओल परिवार घर लेकर आ गया है। बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे उन्हें बॉबी देओल घर ले आए। डॉक्टर ने कहा है कि अब उनका इलाज घर पर ही किया जाएगा, क्योंकि परिवार ने घर पर ही उनका उपचार कराने का फैसला लिया है। इस पर अस्पताल की तरफ से आधिकारिक बयान भी जारी कर दिया गया है। धर्मेंद्र के फैन ने बताया कि उन्होंने खाना-पीना छोड़ दिया है और वो बस दिन-रात धर्मेंद्र की अच्छी सेहत के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। धर्मेंद्र के

दोस्त और लेखक-निर्माता गुड्डु धनोआ ने धर्मेंद्र के डिस्चार्ज होने को लेकर कहा, 'वो ठीक हैं और रिकवर कर रहे हैं।' धर्मेंद्र जहां एक तरफ अस्पताल से घर आ गए हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके लाखों चाहने वाले दिन रात उनकी अच्छी सेहत की प्रार्थना कर रहे हैं।

नई दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट के बाद घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मी। इस विस्फोट में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और कई वाहन जलकर खाक हो गए।

डबल इंजन सरकार पर जनता का विश्वास

बिहार में एनडीए की बड़ी जीत तय-विजय सिन्हा....

नई दिल्ली। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने बुधवार को राज्य विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मज़बूत प्रदर्शन की भविष्यवाणी करने वाले एग्ज़िट पोल का स्वागत किया। उन्होंने जनता का आभार व्यक्त किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि उनकी भावनाएँ और अभिव्यक्ति बिहार के बेहतर और ज़्यादा सम्मानजनक भविष्य का प्रतीक होंगी। सिन्हा ने कहा कि मतदाताओं ने हर बिहारी का गौरव बढ़ाने और बिहारी शब्द को अपमान में बदलने वालों को सबक सिखाने का फ़ैसला कर

लिया है। सिन्हा ने एएनआई को बताया कि लोकतंत्र की पालना कहे जाने वाले बिहार में रहने वाले हर निवासी ने हर बिहारी के सम्मान और गौरव को बढ़ाने और बिहारी शब्द को अपमान में बदलने वालों को सबक सिखाने का फैसला किया है।

लाल किला धमाके पर केंद्रीय मंत्री का बड़ा खुलासा

इसके पीछे पाकिस्तान का हाथ नहीं बचेंगे दोषी-रवनीत सिंह...

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने दिल्ली लाल किला विस्फोट के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का दावा किया है, जहाँ 12 लोग मारे गए और 'ऑपरेशन सिंदूर' जारी रहने तक दोषियों को बख्शने का संकल्प लिया। पुलिस जैश-ए-मोहम्मद और अंसार ग़ज़वत-उल-हिंद से जुड़े आतंकी मॉड्यूल की जांच कर रही है, जिसमें कई गिरफ्तारियां हुई हैं और भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी स्थिति का जायजा लिया और घायलों से मुलाकात की। दिल्ली के लाल किले के पास हुए घातक विस्फोट

के आतंकी लिंक की जाँच कर रहे अधिकारियों के बीच, केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि इस विस्फोट के पीछे पाकिस्तान का हाथ है और ऑपरेशन सिंदूर जारी रहने तक दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। बिट्टू ने संवाददाताओं से कहा कि चूँकि भारत के गृह मंत्री अमित शाह हैं, इसलिए लोगों को चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर जारी रहने तक दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। इस विस्फोट के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। हाल ही में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए गए थे। साथ ही, सीमावर्ती इलाकों के पास हथियारों का एक बड़ा जखीरा भी मिला था। ज़िम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी होगी। सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफ़िक सिग्नल पर एक धीमी गति से चलती कार में हुए एक शक्तिशाली विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए।

लाल किला ब्लास्ट में मारे गए डीटीसी कंडक्टर के भाई ने किया दर्द बयां

नई दिल्ली। लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार को हुए कार ब्लास्ट की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इस हादसे में आठ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इस ब्लास्ट में दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (डीटीसी) कंडक्टर अशोक कुमार को भी जान से हाथ धोना पड़ा।। इसके बाद उनके परिवार पर अब दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अशोक कुमार के भाई देवेंद्र कुमार ने आईएएनएस से बताया कि उनका भाई हर दिन की तरह अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद घर लौट रहा था। वह दिल्ली में क्लस्टर बस में कंडक्टर था। यही वह किराए का कमरा लेकर रहता था।

भारत के प्रति यूनुस की दुश्मनी आत्मघाती

बोलीं शेख हसीना;बांग्लादेश लौटने की शर्त भी बताई......

बांग्लादेश/ एजेंसी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि उनके बांग्लादेश लौटने की पहली शर्त सहभागी लोकतंत्र की बहाली है। पूर्व पीएम ने ये भी कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की भारत के प्रति दुश्मनी बेवकूफी और आत्मघाती है। उन्होंने कहा कि भारत-बांग्लादेश के संबंध बहुत गहरे हैं और ये यूनुस के बेवकूफी भरे अंतराल के बावजूद मजबूत रह सकते हैं। भारत में एक अज्ञात स्थान से न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में बांग्लादेश की अपदस्थ पूर्व

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि भारत हमेशा से बांग्लादेश का सबसे अहम अंतरराष्ट्रीय साझेदार रहा है। उन्होंने मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर आरोप लगाया कि भारत से संबंध बिगाड़ना मोहम्मद यूनुस की बेवकूफी है और यह कूटनीतिक तौर पर आत्मघाती कदम है। शेख हसीना ने कहा कि 'यूनुस की भारत के प्रति दुश्मनी बेवकूफी भरी और आत्मघाती है। इससे पता चलता है कि वह कितने कमजोर, गैर निर्वाचित, अराजक राजा हैं, जो कट्टरपंथियों के समर्थन पर निर्भर हैं।' शेख हसीना ने कहा कि 'मैं उम्मीद करती हूं कि वे मंच छोड़ने से पहले बहुत ज्यादा कूटनीतिक गलतियां नहीं करेंगे। भारत और बांग्लादेश के संबंधों में आए तनाव को लेकर शेख हसीना ने कहा कि बांग्लादेश की मौजूदा अंतरिम सरकार देशवासियों और खासकर बांग्लादेश की महिलाओं का प्रतिनिधित्व नहीं करती है। भारत हमेशा से हमारे देश का सबसे अहम दोस्त रहा है।

पाकिस्तान के हुक्मरानों के अभी से छूटने लगे पसीने, Modi की CCS Meeting से पहले Pakistan हुआ चौकन्ना

भारत की संभावित कार्रवाई से पाक सेना-सरकार डरी

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लाल क़िला मेट्रो स्टेशन के बाहर हुए कार विस्फोट ने न केवल भारत को झकझोर दिया, बल्कि इस घटना की गूंज इस बार सीमाओं के पार यानि पाकिस्तान के भीतर तक सुनाई दी है। हम आपको बता दें कि आतंकवाद को संरक्षण देने वाला पाकिस्तान इस बार असामान्य रूप से घबराया हुआ दिख रहा है। जैसे ही भारतीय खुफ़िया एजेंसियों को हमले की शुरुआती जांच में जैश-ए-मोहम्मद की संलिप्तता के संकेत मिले, वैसे ही इस्लामाबाद ने अपनी सुरक्षा प्रणाली को अभूतपूर्व स्तर पर अलर्ट कर दिया। पाकिस्तान के सभी वायु अड्डों, सैन्य ठिकानों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों पर रेड अलर्ट जारी करना यह दर्शाता है कि अब उसके दिमाग में भारत की कार्रवाई का वास्तविक खौफ घर कर गया है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान ने अपनी वायुसेना को इमीडिएट टेकऑफ के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए हैं, सभी एयरबेस पर एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय कर दिए गए हैं और 11 से 12 नवम्बर तक सीमावर्ती क्षेत्रों में NOTAM (Notice to Airmen) लागू कर दिया गया है। देखा जाये तो इस घबराहट की जड़ भारत की पिछली कुछ सटीक और निर्णायक कार्रवाइयों में है। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने पाकिस्तान की रणनीतिक सोच को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है। उन कार्रवाइयों ने यह संदेश दिया कि अब भारत धैर्यवान प्रतिक्रिया वाले दौर से निकलकर सटीक प्रतिशोध के युग में प्रवेश कर चुका है। पाकिस्तान की खुफ़िया एजेंसियां यह भली-भांति जानती

हैं कि यदि दिल्ली जैसे संवेदनशील केंद्र पर आतंकवादी हमला किसी भी तरह से उनके यहाँ से संचालित नेटवर्क से जुड़ा पाया गया, तो भारत अब कूटनीतिक निंदा तक सीमित नहीं रहेगा।

हम आपको यह भी बता दें कि दिल्ली विस्फोट की ख़बर पाकिस्तान के प्रमुख मीडिया संस्थानों जैसे- Dawn, Geo News, The E&press Tribune, The News International ¥õÚU Pakistan Today में प्रमुखता से छपी। दिलचस्प बात यह है कि अधिकांश समाचारों ने इसे मिस्टेरियस ब्लास्ट या कार एक्सप्लोजन कहकर परिभाषित किया, मानो वे किसी भी प्रत्यक्ष आतंकवादी संबंध से दूरी बनाना चाहते हों। देखा जाये तो पाकिस्तानी मीडिया का यह रुख वास्तव में एक रक्षात्मक मनोवृत्ति का प्रतीक है। जब किसी घटना से यह आशंका हो कि उसका धागा अपने ही भूभाग से संचालित आतंकी नेटवर्क तक जा सकता है, तब मीडिया मिस्ट्री और अंडर इन्वेस्टिगेशन जैसे शब्दों की ओट में अपनी जिम्मेदारी से बचने लगता है। देखा जाये तो भारत सरकार ने इस विस्फोट के बाद जिस संयमित परंतु निर्णायक ढंग से काम शुरू किया है, वह पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा संदेश है। न तो कोई त्वरित भावनात्मक प्रतिक्रिया, न कोई सार्वजनिक धमकी, बस एक गंभीर मौन जिसमें कार्रवाई का संकेत छिपा है। भारत अब घोषणा की कूटनीति नहीं, बल्कि कार्रवाई की कूटनीति अपनाता दिख रहा है। यह वही रणनीति है जिसने 2019 में पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर अलग-थलग किया था। आज जब पाकिस्तान अपनी वायुसेना को चौकन्ना रख रहा है, तब यह समझना होगा कि इस्लामाबाद को अब यह डर है कि भारत कब, कहाँ और किस रूप में जवाब देगा, यह अनुमान लगाना असंभव है। देखा जाये तो दिल्ली विस्फोट के सूत्र एक नए आतंकवादी तंत्र की ओर इशारा कर रहे हैं— जहाँ प्रोफेशनल्स, खासकर डॉक्टरों को वैचारिक रूप से उग्र बना कर आतंकी नेटवर्क में शामिल किया जा रहा है। उमर मोहम्मद और उसके साथियों का मामला यह दिखाता है कि रैडिकलाइजेशन अब केवल मदरसों तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल मंचों और सोशल मीडिया समूहों के माध्यम से पढ़े-लिखे वर्ग तक पहुँच चुका है।

CMYK

भंवरदा (अमलीडीह) में भव्य मंडई उत्सव एवं कलश यात्रा का आयोजन

बेमेतरा। ग्राम भंवरदा (अमलीडीह) में परंपरा, आस्था और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक भव्य मंडई उत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। यह आयोजन ग्राम की धार्मिक एकता और परंपरा का प्रतीक बन चुका है, जिसका यह 16वां वर्ष रहा। उत्सव का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ, जिसमें सैकड़ों बालिकाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में मंगल गीतों के साथ शामिल हुईं। इस भव्य मंडई के अवसर पर दूर-दराज़ क्षेत्रों से यादव बंधु भी अपने गाजे-बाजे के साथ उत्सव में शामिल होकर श्रद्धा और उत्साह का वातावरण निर्मित किया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी माता लक्ष्मी की मूर्ति स्थापना धनतेरस के दिन की गई, जिसे 21 दिवसीय पूजा-अर्चना के साथ रखा जाता है। अष्टमी हवन पूजन के अवसर पर मंडई उत्सव का मुख्य आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर ग्राम में प्रति सोमवार हाट-बाज़ार का शुभारंभ भी किया गया, जिससे स्थानीय व्यापारियों और ग्रामीणों को नई आर्थिक दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजेश दत्त दुबे, अंजली नंदराम गंधर्व (जिला पंचायत सदस्य), मालती जोहन साहू (जनपद सदस्य), डॉ. जितेंद्र साहू, मनोज कुमार निषाद (सरपंच), बसंत निषाद (उपसरपंच), ललिता राधेश्याम निषाद, सुधारन दास कौशल, विनोद साहू (भाजपा), लक्ष्मीनारायण यादव (भाजपा नेता), राकेश वर्मा, सियाराम निषाद, विष्णु साहू, सीमा यादव, कृष्णा यादव, गोफेलाल, छबीराम यादव, धनेश राम यादव, सुनील यादव, किशुन यादव, रामसुख निषाद, कृपाल, रूपेन्द्र, राधेश्याम निषाद, उत्तम साहू, सहित समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। आयोजक मंडल एवं ग्रामवासियों ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी अतिथियों और उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिक्षक छात्र हित में हर जगह, हर समय अपनी आहुति देने तत्पर रहता है: डॉ बसुबंधु दीवान

डाइट बेमेतरा में द्वितीय वर्ष के छात्र अध्यापकों ने प्रथम वर्ष के नव प्रवेशित छात्र अध्यापकों के लिए किया वेलकम पार्टी का आयोजन

बेमेतरा। शिक्षा संस्थान, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट बेमेतरा में द्वितीय वर्ष के छात्र अध्यापकों के द्वारा प्रथम वर्ष में प्रवेशित नव छात्र अध्यापकों का स्नेहिल स्वागत करते हुए उनके लिए वेलकम पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डाइट बेमेतरा के वरिष्ठ व्याख्याता, शिक्षाविद और इतिहासकार डॉ बसुबंधु दीवान थे। द्वितीय वर्ष की छात्राध्यापिका गीतांजली वर्मा और द्रोपदी कोशले ने कार्यक्रम की शुरुआत में माँ शारदे की सुंदर वंदना प्रस्तुत किये। मुख्य अतिथि डॉ बसुबंधु दीवान ने कहा कि यह एक प्रशिक्षण संस्थान है, यहां प्रेरणा लेकर स्वयं सीखना पड़ता है। यह एक ऐसा संस्थान है जहाँ शिक्षक बनने के साथ साथ एक आदर्श इंसान भी बनना सिखाया जाता है। यहाँ शिक्षा, संस्कार, व्यवहार, बोलचाल, रहन सहन और उच्च आदर्शों कि शिक्षा भी दी जाती है। यहीं से ही आपके कैरियर का निर्धारण भी होता है। नवाचारी शिक्षिका प्रतीक जैन साजा विकासखण्ड के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रानो में विज्ञान शिक्षिका के रूप में पदस्थ है। उन्होंने हमारे संस्थान के व्याख्याता थलज कुमार साहू की प्रेरणा से हमारे संस्थान के लिए कुछ करने की इच्छा जाहिर की थी। और उन्होंने आज डीएलएड प्रथम वर्ष की छात्राध्यापिका निधि देवांगन और द्वितीय वर्ष की छात्राध्यापिका एकता देवांगन जो अपनी अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान पर आई है उन्हें शिक्षिका प्रतीक जैन व डॉ बसुबंधु दीवान ने अपने हाथों से 5000-5000 रुपए की पुरस्कार राशि व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। डॉ बसुबंधु दीवान ने कहा कि नवाचारी शिक्षिका प्रतीक जैन की इस सुंदर कार्य से प्रेरणा लेकर शासकीय हाईस्कूल बोरिया विकासखंड बेरला की व्याख्याता हेमलता साहू ने भी दोनों कक्षा में उच्चतम अंक पाने वाले छात्र अध्यापकों के लिए अगले सत्र से 10000 की राशि एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान करने की घोषणा की है। अतः आप सब मन लगाकर पढ़ाई कीजिए और अपने उद्देश्यों को प्राप्त की जाय। डाइट के व्याख्याता और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ बसुबंधु दीवान ने कहा कि शिक्षक अपने छात्रों के लिए उनके हित के लिए हमेशा तत्पर रहता है। शिक्षक कहीं भी, हर जगह छात्र हित में अपनी आहुति देने सदैव तत्पर रहता है। अतिथि शिक्षिका प्रतीक जैने कहा कि अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हम सबको कठिन परिश्रम करना है और तब तक हमें रुकना नहीं है जब तक हमें अपनी मंजिल ना मिल जाए। कार्यक्रम का संचालन द्वितीय वर्ष की छात्र अध्यापक कोमल शर्मा, पवन चंद्राकर और सुमन साहू ने किया। जबकि सहयोगी के रूप में द्रोपदी कोशले, गीतांजली वर्मा, संगीता साहू, धीरेन्द्र, चेतन साहू, कुलेश्वर यादव, सफीना परवीन, अंजू साहू, हर्षवर्धन, दामिनी ठाकुर आदि रहे। प्रथम वर्ष के छात्र अध्यापकों के स्वागत में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। जिसमें छत्तीसगढ़ी गीत एवं नृत्य में द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापिका सुमन एक्का, आरती पैकरा, श्रिया कंवर, किरण मरावी, मेलन श्याम, दुवांशु ठाकुर ने मुख्य भूमिका निभाई। इस अवसर पर छात्र अध्यापकों को पीएसटीई प्रभारी अनिल कुमार सोनी, जी एल खुटियारे, एवं कक्षा शिक्षिका कीर्ति घृतलहरे ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में संस्थान की व्याख्याता उषा किरण पाण्डेय, पीएसटीई प्रभारी अनिल कुमार सोनी, जी एल खुटियारे, थलज कुमार साहू, यमुना जांगड़े, कीर्ति घृतलहरे, श्रद्धा तिवारी, नागेंद्र शर्मा, अमिंदर भारती, कमलेश शर्मा, सत्येंद्र मिश्रा, सरस्वती साहू, सहित प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के सभी छात्र अध्यापक उपस्थित थे।

आखिरी वक्त पर रद्द हुआ नालंदा परिसर भूमि पूजन, खर्च और तैयारी पर उठे सवाल

कवर्धा। शहर में प्रस्तावित नालंदा परिसर भूमि पूजन कार्यक्रम को लेकर पूरे नगर में उत्साह का माहौल था। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की मुख्य उपस्थिति में इस भूमि पूजन का आयोजन निर्धारित किया गया था, जिसके लिए नगर के विभिन्न चौक-चौराहों पर बड़े-बड़े होर्डिंग्स और बैनर लगाए गए थे। लेकिन कार्यक्रम के दिन ही अचानक इसे स्थगित कर दिया गया, जिससे नगर में चर्चा तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार उपमुख्यमंत्री की अन्य शासकीय व्यस्तता के चलते कार्यक्रम को आगे बढ़ा दिया गया है। आयोजन समिति ने स्पष्ट किया है कि यह रद्द नहीं, बल्कि स्थगित हुआ है और शीघ्र ही नई तारीख तय की जाएगी।

शहर में उठे सवाल

कार्यक्रम के लिए की गई तैयारियों और विज्ञापन खर्च को लेकर नगरवासियों के बीच सवाल उठने लगे हैं। कई स्थानों पर लगाए गए होर्डिंग्स, सजावट और मंचन की लागत को लेकर नागरिकों का कहना है कि समय पर जानकारी दी जाती तो अनावश्यक खर्च बचाया जा सकता था। वहीं, कुछ स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि हाल ही में हुए राज्योत्सव समारोह में विवाद और राजनीतिक गुटबाजी की स्थिति ने भी इस आयोजन के माहौल को प्रभावित किया है। हालांकि इस विषय में न तो प्रशासन और न ही किसी राजनीतिक प्रतिनिधि ने कोई औपचारिक टिप्पणी की है। वही कुछ लोगों का कहना है कि कार्यक्रम को स्थगित किया गया है ताकि उपमुख्यमंत्री की उपलब्धता के अनुरूप नई तिथि तय की जा सके। समिति ने नागरिकों से सहयोग और धैर्य की अपील की है। कार्यक्रम स्थगन का आधिकारिक कारण उपमुख्यमंत्री की व्यस्तता बताया गया है। किसी व्यक्ति या संस्था पर आरोप नहीं लगाया गया है। नई तिथि की घोषणा प्रशासनिक अनुमोदन के बाद की जाएगी।

कवर्धा की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी पर गर्व : विश्व विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियो से मिले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

कहा—हनुमान कृपा और लगन से जीता भारत

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट आकांक्षा सत्यवंशी से अपने निवास में आत्मीय मुलाकात कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। उपमुख्यमंत्री ने उन्हें शौर्य और संकल्प के प्रतीक के रूप में गदा भेंट की और कहा कि कवर्धा की बेटी ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत में जो योगदान दिया है, वह पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। आकांक्षा सत्यवंशी ने इस दौरान विश्व कप के फाइनल मैच का एक प्रेरक किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया– टीम में राधा यादव और क्रांति गौड़ हनुमान चालीसा का पाठ कर रही थीं। उन्होंने मुझे एक छोटा-सा गदा दिया और कहा कि इसे मैच के अंत तक अपने पास रखना। हनुमान जी की कृपा रही और हम विश्व विजेता बने। इस पर उपमुख्यमंत्री शर्मा ने मुस्कराते हुए कहा, हनुमान जी की कृपा और बेटियों की मेहनत–दोनों से भारत का परचम लहराया।

एम्स की नौकरी छोड़कर चुना क्रिकेट का रास्ता

आकांक्षा ने बताया कि उन्होंने रायपुर मेडिकल कॉलेज से फिजियोथेरेपी में स्नातक और कटक से स्नातकोत्तर किया। इसके बाद जब उनका चयन एम्स रायपुर में नौकरी के लिए हुआ, तभी उन्हें छत्तीसगढ़ महिला क्रिकेट टीम से जुड़ने का प्रस्ताव मिला। परिवार की सलाह के बावजूद उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ अपने सपनों का पीछा किया। उन्होंने कहा, फेसबुक पर मेरी एक ट्रैवलिंग पोस्ट ने मेरी ज़िंदगी की दिशा बदल दी। उनकी समर्पित सेवा ने उन्हें बीसीसीआई की नजरों में ला दिया, जिसके बाद वे सीधे भारतीय महिला सीनियर टीम की फिजियो बनीं और अंततः विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा बनीं।

महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतीक बनी आकांक्षा

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि अब महिलाएं खेल, विज्ञान और प्रशासन–हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। राज्य सरकार भी उन्हें सशक्त बनाने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण समेत अनेक योजनाओं पर काम कर रही है। उन्होंने आकांक्षा को बस्तर ओलंपिक में शामिल होकर युवाओं को प्रोत्साहित करने का निमंत्रण भी दिया।

ओलंपिक में पदक दिलाएंगे बस्तर के युवा

शर्मा ने कहा, बस्तर के युवाओं में खेलों की प्राकृतिक प्रतिभा है। बस्तर ओलंपिक के माध्यम से हम अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को तैयार कर रहे हैं। आने वाले वर्षों में यही युवा भारत को ओलंपिक में पदक दिलाएंगे।

डाइट टिप्स में कहा—खाएं 'छत्तीसगढ़िया साग'

मुलाकात के दौरान हल्के-फुल्के माहौल में उपमुख्यमंत्री ने बताया कि उन्हें भात और साग बेहद पसंद है। इस पर आकांक्षा ने मुस्कराते हुए कहा, छत्तीसगढ़ की साग-सब्जियां ही हमारी सेहत की पहचान हैं, रोज के भोजन में इन्हें शामिल करें। उपमुख्यमंत्री ने आकांक्षा को पदक पहनाकर सम्मानित किया और उनके परिवार के साथ स्वल्पाहार भी किया। उन्होंने कहा आकांक्षा जैसी बेटियां छत्तीसगढ़ का गौरव हैं। उनकी सफलता आने वाली पीढ़ी की प्रेरणा बनेगी।

एक सप्ताह तक चला राष्ट्र गीत वंदे मातरम का गायन कार्यक्रम

दल्लीराजहरा। राजहरा बस स्टैंड परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर एक हफ्ते के राष्ट्र गीत गायन कार्यक्रम के चौथे दिन प्राचार्य रानडे, पूर्व पार्षद बाबी छतवाल, पार्षद विशाल मोटवानी एवं बस स्टैंड परिसर के सम्मानित व्यापारियों की उपस्थिति में। सरस्वती स्कूल के स्काउट गाइड के छात्र छात्राओं द्वारा वंदे मातरम गीत पूरे जोश के साथ गाया गया। कार्यक्रम में सीनियर सिटीजन शर्मा, धनकर एवं धर्मेश, आकाश जैन, किशोर साहू, दुबे, आत्माराम यादव एवं अन्य युवाओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम प्रतिदान सुबह 10.30 से 11 बजे के बीच होगा जो 14 नवम्बर तक चलेगा।

यह जानकारी वरिष्ठ नागरिक शिखर चंद जैन दी। इसी क्रम में प्राचार्य रानाडे ने वन्देमातरम गीत एवं आजादी की लड़ाई में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला, तथा कहा कि इस प्रकार के छोटे आयोजन से ही बड़े बड़े कार्य होते है ये इतिहास बनाते है।

स्वच्छ भारत मिशन योजना अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया

दल्लीराजहरा। नगर पालिका दल्ली राजहरा में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत भारत सरकार के निर्देशानुसार नपा अध्यक्ष तोरण लाल साहू के मार्गदर्शन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र वार्डेकर के आदेशानुसार मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थिति की तंत्र के लिए राष्ट्रीय कार्रवाई (नमस्ते) योजना अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस योजना के अंतर्गत सीवर एवं सेप्टिक टैंक सफाई कार्य करने वाले सफाई कर्मियों के साथ साथ डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का कार्य करने वाली स्वच्छता दीदियों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण का उपयोग कर पूर्ण रूप से मशीनीकृत ढंग से कार्य करने हेतु विशेष प्रशिक्षण प्रदान करते हुए नमस्ते (नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सेनिटेशन इकोसिस्टम) योजना के बारे में जानकारी दी गई। इस योजना का उददेश्य मुख्य रूप से शून्य मृत्यु दर, सुरक्षा, प्रशिक्षण, स्व रोजगार, पात्रता और सहायता पहुंचाना है, साथ ही स्वच्छता कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और मैन्युअल स्कैवेंजिंग को समाप्त करना है। यह योजना स्वच्छता कर्मचारियों को प्रशिक्षित करती है, उन्हें सुरक्षा किट (पीपीई) प्रदान करती है और उनका कौशल विकास कर उन्हें स्वरोजगार के अवसर देती है। यह सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से संचालित है।

इस कार्यशाला में नपा दल्ली राजहरा के स्वास्थ्य अधिकारी रामगोपाल चंद्राकर, पीआईयू विक्रांत साहू, समस्त सफाई कर्मचारी एवं स्वच्छता दीदी उपस्थित रहे।

भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में विधायक साहू ने सुनी आम जनता की समस्याएं

बेमेतरा। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने अपने निवास कार्यालय बेमेतरा में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत विधानसभा क्षेत्र बीजा भाट नवागांव चिखला देवरी भाटासोरी अकोली बारगांव नवागांव बहिंगा सहित विभिन्न गांव से पहुँचे नागरिकों से मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गाँवों और वार्डों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएँ एवं मांगें रखीं, जिनमें स्वच्छ पेयजल, सड़क, बिजली, नाली, सामुदायिक भवन, प्रधानमंत्री आवास, शौचालय निर्माण एवं स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित विषय प्रमुख रहे। मुलाकात के दौरान विधायक साहू ने सभी नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और तत्काल प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी भाजपा सरकार सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। चाहे प्रधानमंत्री आवास योजना हो, शौचालय निर्माण, सड़क-नाली, सामुदायिक भवन, पेयजल या शिक्षा एवं स्वास्थ्य की सुविधा–हर क्षेत्र में जनहित को प्राथमिकता दी जा रही है। हमारी सरकार गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला एवं युवा–सभी वर्गों की चिंता कर रही है।

गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर आयोजित नगर कीर्तन में शामिल हुए विधायक दीपेश साहू

बेमेतरा। सिख धर्म के प्रथम गुरु, श्रद्धेय गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के अवसर पर सिख संगत द्वारा नगर में भव्य नगर हरि कीर्तन का आयोजन किया गया। गुरुद्वारा से सायं 4 बजे प्रारंभ हुई शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई निकली, जिसका जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। सिग्नल चौक पर विधायक दीपेश साहू ने भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ नगर हरि कीर्तन का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक साहू ने कहा कि गुरु नानक देव के उपदेश हमें एकता, सेवा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उनके जीवन से हमें समाज में प्रेम, समानता और मानवता की भावना को मजबूत करने की सीख मिलती है। नगर कीर्तन में अखाड़ा देबनगर के सदस्यों ने मुख्य चौराहे पर मनमोहक एवं हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन किया, जिन्हें देखकर विधायक सहित उपस्थित जनसमूह मंत्रमुग्ध हो गया और करतबबाजों की सराहना की। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, रजक कार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, जिला भाजपा अध्यक्ष अजय साहू, शहर मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष राजू देवांगन, पार्षद विकास तंबोली, पंचू साहू, गौरव साहू, चांदनी रोशन दत्ता, डॉ. नरेश साहू, भाजपा नेता हर्षवर्धन तिवारी, ललिता साहू, ममता साहू, ओमेश्वरी साहू, सावित्री रजक, मीनू पटेल, राजीव तंबोली सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे। नगर कीर्तन के दौरान पूरा शहर गुरु वाणी और भजन-कीर्तन से गुंजायमान हो उठा। शोभायात्रा के स्वागत में श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा की गई और पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक एवं सौहार्द का वातावरण व्याप्त रहा।

वापसी अपनी जड़ों की ओर: पंडरिया वनांचल में 115 आदिवासी जनों ने अपनाया मूल धर्म

भावना बोहरा बोली 'यह भारतीय अस्मिता का संकल्प'

कवर्धा/पंडरिया। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के पंडरिया विधानसभा क्षेत्र से एक महत्वपूर्ण सामाजिक-सांस्कृतिक खबर सामने आई है। विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व और पहल पर वनांचल क्षेत्र में निवासरत 115 आदिवासी जनों ने अपने मूल धर्म और संस्कृति में वापसी कर अपनी जड़ों से दोबारा जुड़ने का संकल्प लिया है। ग्राम नेऊर स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला परिसर में आयोजित जनजाति गौरव सम्मान एवं अभिनंदन समारोह में विधायक भावना बोहरा ने स्वयं इन परिवारों का पैर पखारकर स्वागत किया। इस दौरान नेऊर, अमनिया, अमलीटोला, महिडबरा, खैरहापारा, कांदावानी, डफरपानी, सारपानी, दमगढ़ और बिरहुलडीह जैसे वनांचल ग्रामों से आए आदिवासी परिवारों ने सार्वजनिक रूप से अपने मूल धर्म में लौटने की घोषणा की। विधायक बोहरा ने कहा कि आदिवासी समाज भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न अंग है। उनकी पूजा-पद्धति, लोकदेवताओं की आराधना और सामुदायिक जीवन परंपरा प्रकृति से गहराई से जुड़ी है। आज जो 115 आदिवासी भाई-बहन अपनी संस्कृति में लौटे हैं, यह सिर्फ धार्मिक नहीं बल्कि भारतीय अस्मिता की रक्षा का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ तत्वों द्वारा प्रलोभन और गलत जानकारी देकर धर्मांतरण के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे जनजातीय समाज की परंपराएं और पहचान प्रभावित हो रही हैं। हमारा प्रयास है कि जनजाति समाज की संस्कृति, परंपरा और अस्मिता को बचाया जाए। भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी इस दिशा में ठोस काम कर रहे हैं, चाहे वह आदिवासी गौरव दिवस हो, पीएम जनमन योजना या वीर नारायण सिंह संग्रहालय का लोकार्पण। भावना बोहरा ने बताया कि पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों में अब तक 3000 से अधिक प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हो चुके हैं, 100 किलोमीटर से अधिक सड़कें निर्माणाधीन हैं, और पेयजल, बिजली व शिक्षा की सुविधाएं वनवासियों तक पहुँच रही हैं। समारोह में समाजसेवी हरीश लुनिया ने विधायक बोहरा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि कुछ माह पूर्व उन्होंने 70 परिवारों की भी घर वापसी कराई थी, और अब पुनः 115 जनों की वापसी एक बड़ी सामाजिक पहल है। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी ने भी कहा कि जनजाति समाज के उत्थान, शिक्षा और सम्मान के लिए पार्टी और संगठन निरंतर कार्यरत है। इस अवसर पर बैगा जनजाति समाज के वरिष्ठजन, भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न पंचायतों के सदस्य और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

प्रतिबंधित प्लास्टिक का सरकारी शराब दुकानों में सर्वाधिक उपयोग - कन्हैया

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने प्रतिबंधित प्लास्टिक के नाम पर छोटे छोटे दुकानदार और ठेले खोमचे वालों पर होने वाली कार्रवाई को दिखावा बताते हुए कहा की सरकारी शराब दुकानों के अहातों में प्रतिदिन प्रतिबंधित पानी पाऊच और गिलास लाखों की संख्या में बेचे जा रहे है जिसके कारण पूरे क्षेत्र की नालियां जाम हो गई है। उन्होंने कहा की सरकारी दुकानों में प्रतिबंधित सामग्री बेचने वालों पर कार्रवाई की हिम्मत शासन प्रशासन नही जुटा पाता । छोटी-छोटी दुकानों, सब्जी वालों, खोमचों से प्लास्टिक जप्ति को परेशान करने के साथ औपचारिकता बताते हुए कन्हैया अग्रवाल ने कहा की कार्रवाई करनी है तो निर्माण इकाई और आयातकों पर होनी चाहिये । यदि प्रतिबंधित सामग्री का उत्पादन और आयात ही बंद हो जायेगा तो बाजार में सामग्री उपलब्ध ही नहीं होगी । प्रतिबंधित प्लास्टिक के कारण गौवंश की मौत हो रही है । नाली-नाला जाम होने से मच्छर पनपते है जिससे डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारी हो रही है । प्रदेश महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि शराब दुकानों में संचालित सरकारी टेंडर वाले अहातों में प्रतिबंधित डिस्पोजल का उपयोग होना सीधे तौर पर आबकारी विभाग और प्रशासन की मिलीभगत / फेल्यूवर कहा जाएगा । उन्होंने कहा कि त्योहार के समय बाजारों में इस तरह की कार्रवाई से छोटे व्यापारी, सब्जी विक्रेता,खोमचे वालों को परेशान किया जाता है उस पर रोक लगनी चाहिए।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौके पर मौत, चालक फरार

रायपुर। धरसीवा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां अमर जवान पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से पैदल जा रही महिला की मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब 11:30 बजे हुआ। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मृतका की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष बताई जा रही है, हालांकि अब तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। सूचना मिलते ही धरसीवा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि दुर्घटना में शामिल वाहन और चालक का सुराग लगाया जा सके। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

कार की चपेट में आए वृद्ध की मौत, चालक सीख रहा था गाड़ी चलाना

रायपुर। धरसीवा तिवरैया मोड़ के पास एक दर्दनाक हादसे में 65 वर्षीय मनीराम वर्मा की मौत हो गई। हादसा दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ, जब सड़क किनारे सो रहे मनीराम पर एक कार चालक ने वाहन चढ़ा दिया। मृतक की पहचान मनीराम वर्मा पिता लग्गूराम वर्मा, निवासी गोड़ही के रूप में हुई है। वह तिवरैया मोड़ के पास पान ठेला चलाते थे और दोपहर के समय वहीं आराम करने लेटे थे। तभी इंद्र कुमार पिता मंतराम, जो उसी गांव का रहने वाला है, अपनी कार चलाना सीखते समय नियंत्रण खो बैठा और वाहन मनीराम पर चढ़ गया। गंभीर रूप से घायल मनीराम को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी चालक और कार को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि इंद्र कुमार ने यह कार अभी हाल ही में दिवाली के समय खरीदी थी और वह इसे चलाना सीख रहा था।

13 साल की बच्ची ने गुस्से में अपने ही छोटे भाई-बहन को कुएं में धकेला

रायपुर। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ इलाके से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां 13 वर्षीय किशोरी ने अपने ही 4 साल के भाई और डेढ़ साल की बहन को कुएं में धकेल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृत बच्चों की पहचान करण वर्मा (4 वर्ष) और राधिका वर्मा (1.5 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों परिवारों के बीच जमीन संबंधी विवाद चल रहा था। इस कारण माता-पिता बच्चों को आपस में खेलने नहीं देते थे। रविवार को बच्चे घर के पास कुएं के पास खेल रहे थे, तभी किसी बात पर भाई ने बहन को चिढ़ा दिया, जिससे गुस्से में आकर किशोरी ने उसे कुएं में धक्का दे दिया। घटना को देखकर छोटी बहन राधिका जोर-जोर से रोने लगी। यह देख बड़ी बहन ने उसका मुंह रूमाल से बांधा और उसे भी कुएं में धकेल दिया। कुछ देर बाद जब बच्चों के परिजनों ने उन्हें आसपास नहीं पाया, तो खोजबीन के दौरान दोनों के शव कुएं में मिले। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और 13 वर्षीय किशोरी को कस्टडी में लेकर पूछताछ शुरू की। अधिकारियों का कहना है कि इस पूरे मामले की जांच मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी की जा रही है, ताकि यह समझा जा सके कि किशोरी के मन में ऐसी सोच क्यों आई। पुलिस फिलहाल मामले की विस्तृत जांच कर रही है और जल्द ही इस पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आधिकारिक जानकारी देने की तैयारी में है।

छत्तीसगढ़ को अब तक मिले कुल 7.83 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

छत्तीसगढ़ और गुजरात मिलकर विकसित भारत के निर्माण में निभाएंगे अहम भूमिका

- इन्वेस्टर कनेक्ट : अहमदाबाद में छत्तीसगढ़ को मिला बड़ा निवेश प्रस्ताव
- 33,321 करोड़ से अधिक के निवेश, 14,900 से अधिक रोजगार का खुला मार्ग

रायपुर/ संवाददाता

अहमदाबाद में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ को लगभग ?33,321 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने थर्मल पावर प्लांट, ग्रीन स्टील मैन्युफैक्चरिंग, सोलर सेल, फार्मास्युटिकल उत्पाद और मेडिकल फूड सप्लीमेंट जैसे क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों को निवेश प्रस्ताव पत्र प्रदान किए।छत्तीसगढ़ को मिले इन निवेश प्रस्तावों से राज्य में 14,900 नए रोजगार अवसर सृजित होंगे। उल्लेखनीय है कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद से अब तक छत्तीसगढ़ को कुल ?7.83 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अहमदाबाद में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट मीट में देश के शीर्ष उद्योगपतियों और व्यवसायिक नेतृत्व से राज्य में निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। उद्योगपतियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग, निवेश और नवाचार की भूमि गुजरात में आकर वे अत्यंत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात के कण-कण में उद्यमिता बसी है और दुनिया का कोई ऐसा कोना नहीं, जहां गुजराती भाइयों की उपस्थिति न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात और छत्तीसगढ़ मिलकर विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे। श्री साय ने कहा कि गुजरात जिस प्रकार देश और विश्व की अर्थव्यवस्था को गति दे रहा है, उसी दिशा में छत्तीसगढ़ भी तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात के पास उद्यम है, तो छत्तीसगढ़ के पास ऊर्जा, खनिज, कुशल जनशक्ति और आकर्षक औद्योगिक नीति है—जो निवेशकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने पिछले 22 महीनों में 350 से अधिक सुधार किए हैं, जिनसे उद्योग स्थापित करना और अधिक सुगम हुआ है। राज्य में सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से आवश्यक अनुमतियाँ अब त्वरित रूप से जारी की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक नीति के तहत उद्योगों को विशेष अनुदान एवं प्रोत्साहन दिए गए हैं। बस्तर और सरगुजा जैसे जनजातीय अंचलों में उद्योग लगाने पर अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक राज्य में ?7.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में कोयला उत्पादन में दूसरे स्थान पर है और हाल ही में आयोजित एनर्जी समिट में ?3.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य में थर्मल, हाइडल, सोलर और वन-आधारित उद्योगों की विशाल संभावनाएँ मौजूद हैं। उन्होंने आगे बताया कि नवा रायपुर को आईटी और एआई डेटा सेंटर हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहाँ सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की कंपनियाँ निवेश में विशेष रुचि दिखा रही हैं।

50 हजार की रिश्वत लेते नायब तहसीलदार रंगे हाथों गिरफ्तार.....

- पहले से घात लगाए एसीबी की टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया.

रायपुर। संवाददाता

एंटी करप्शन ब्यूरो ने शनिवार को सीपत तहसील में एक बड़ी कार्रवाई अंजाम दी. यहां के नायब तहसीलदार देश कुमार कुर्रे को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया. अधिकारी किसान की जमीन की फौती दर्ज करने और नामांतरण के लिए अवैध रकम मांग रहा था. डीएसपी एसीबी बिलासपुर अजितेश सिंह ने बताया कि ग्राम बिटकुला निवासी प्रवीण पाटनवार ने 30 अक्टूबर को शिकायत की थी कि उसकी दिवंगत मां के नाम पर 21 एकड़ कृषि भूमि है. फौती दर्ज कर रिकॉर्ड में उसका और उसके भाई-बहनों का नाम जोड़ने के बदले नायब तहसीलदार कुर्रे ने 1.50 लाख रुपए की मांग की थी. शिकायत की जांच में आरोप सही पाए गए. सत्यापन के दौरान आरोपी ने 1.20 लाख रुपए में सौदा तय कर लिया, जिसके बाद एसीबी ने ट्रैप की तैयारी की. 10 नवंबर को आवेदक को 50 हजार रुपए की पहली किस्त देकर भेजा गया. आरोपी ने यह रकम एनटीपीसी सीपत स्थित कॉफी हाउस में ली. जैसे ही उसने पैसे स्वीकार किए, पहले से घात लगाए एसीबी की टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया. रिश्वत की पूरी राशि आरोपी से बरामद कर ली गई है. अचानक हुई कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया एसीबी ने आरोपी नायब तहसीलदार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है. डीएसपी अजितेश सिंह ने बताया कि रिश्वतखोरी के खिलाफयह मुहिम लगातार जारी रहेगी. उन्होंने रिश्वत मांगने से जुड़े मामलों की शिकायत के लिए मोबाइल नंबर 9926111932 और फोन नंबर 07752-250362 पर संपर्क करने की अपील की।

बंदूक की गूंज से फलों,फूलों की महक तक का सफर.....

- बस्तर में साग-सब्जी, फलों की खेती से चमत्कारिक बदलाव

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की नक्सल उन्मूलन की नीतियों और किसानों की आय बढ़ाने वाली योजनाओं ने बस्तर में विकास की नई इबारत लिख दी है। बस्तर के किसानों ने पारंपरिक धान, सरसों की खेती के साथ-साथ अब साग-सब्जी, फल, फूल की खेती से भी फायदा लेना शुरू कर दिया है। अब बस्तर में गोलियों की गूंज की जगह फलों और फूलों की खुशनुमा महक बिखर रही है। बस्तर में यह बदलाव कोई संयोग नहीं, बल्कि मेहनत, नवाचार और दूरदर्शिता का परिणाम है। वर्ष 2001-02 में सब्जियों की खेती महज 1,839 हेक्टेयर में सिमटी थी और उत्पादन केवल 18,543 मीट्रिक टन था। आज वही इसमें लगातार वृद्धि हुई है जिसका परिणाम है की अब सब्जियों का रकबा 12,340 हेक्टेयर चुका है और उत्पादन 1.90 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है। बस्तर विश्व पटल पर एक ऐसा नाम जो कभी नक्सल की काली छाया और पिछड़ेपन की गहरी खाई में डूबा माना जाता था, आज वह बस्तर कृषि के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। छत्तीसगढ़ के इस आदिवासी बहुल इलाके में अब पारम्परिक खेती के स्थान पर टमाटर और मिर्च की खेती न केवल आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही है, बल्कि पड़ोसी राज्यों के बाजारों तक अपनी पहुंच भी बना रही है। अब बस्तर की मिट्टी में ड्रैगन फ्रूट की लालिमा, अमरूद की मिठास, चकोतरा की ताजगी, पपीते का रस और मिर्च की तीखापन खेतों में लहलहा रहे हैं।

शिक्षिका ने अपने जन्मदिवस पर दिया न्यौता भोज बच्चों में खुशी की लहर, विद्यालय परिवार ने दी शुभकामनाएँ

सोशल मीडिया में प्रसारित जानकारी तथ्यहीन एवं भ्रामक

लोकनिर्माण मंत्री के विरूद्ध सोशल मीडिया ने किया गया भ्रामक प्रचार

- आरटीआई के तहत विभाग द्वारा प्रदान की गई जानकारी में सोशल मीडिया में प्रसारित किसी भी बिल का कोई उल्लेख नही

रायपुर। कतिपय सोशल मीडिया में प्रसारित उप मुख्यमंत्री-सह-लोक निर्माण मंत्री के परिवार के निजी कार्यक्रम का भुगतान लोक निर्माण विभाग द्वारा किये जाने संबंधी समाचार तथ्यहीन एवं भ्रामक है। लोक निर्माण विभाग द्वारा उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव या किसी भी निजी कार्यक्रम का कोई भुगतान नहीं किया गया है। आरटीआई के तहत विभाग द्वारा

प्रदान की गई जानकारी में सोशल मीडिया में प्रसारित किसी भी बिल का कोई उल्लेख नहीं है। इन बिलों से विभाग का कोई संबंध नहीं है। लोक निर्माण विभाग के बेमेतरा संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री डी.के. चंदेल ने इस संबंध में वस्तुस्थिति की विस्तार से जानकारी दी है। चंदेल ने बताया कि लोक निर्माण विभाग के बेमेतरा संभाग के अंतर्गत व्ही.आई.पी. कार्यक्रमों में लगाए गए टेंट-पंडाल से संबंधित किये गये भुगतान की जानकारी श्री अब्दुल वाहिद रवानी आत्मज अब्दुल मजीद रवानी, निवासी वार्ड नंबर 21, बाजार पारा बेमेतरा, जिला-बेमेतरा को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग भवन/सड़क, संभाग बेमेतरा के पत्र क्रमांक 4630/सू.अ.लि./25, दिनांक 28.08.2025 को जानकारी प्रदान किया गया है।

एसआईआर का समय तीन माह आगे बढ़ाने की कांग्रेस ने की मांग.....

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस की एसआईआर की निगरानी के लिए बनी कमेटी के संयोजक मोहन मरकाम ने एसआईआर के समय को अव्यहारिक बताते हुए इसे तीन माह बागे बढ़ाने की मांग ाी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में धान कटाई और मिसाई का काम चल रहा है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र के मतदाता बीएलओं को नहीं मिल पाएंगे। एसआइआर न होने से उनका नाम छूट जाएगा। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने सभी 24 हजार मतदान केंद्रों के लिए बीएलए की नियुक्ति की है। राजीव भवन में एक प्रेस वार्ता में उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी इपनी मांग को लेकर जल्द ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मुलाकात कर कारण सहित अपनी मांगों को रखेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस के लीड वाले बूथों में मतदाता काटने का षडयंत्र एसआईआर के माध्यम से कर रही है। वोट चोरी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जो आरोप लगाए हैं उनका जवाब निर्वाचन आयोग ने नहीं दिया है। भाजपा लगातार मतदाता सूची में गड़बड़ी की चुनाव जीत रही है। निर्वाचन आयोग भाजपा के साथ मिलकर मतदाता सूची में फर्जी वोटर जोड़ने का काम कर रही है।

15 नवम्बर से राज्य में प्रारंभ होगी धान खरीदी

- किसानों को न हो कोई असुविधा, हो गुणवत्तापूर्ण व सुचारू खरीदी- श्रीमती शर्मा
- धान उपार्जन केंद्रों में चस्पा करें कॉल सेंटर के नंबर- कलेक्टर डॉ गौरव सिंह

रायपुर। संवाददाता

आगामी 15 नवम्बर से प्रारंभ हो रही धान खरीदी की तैयारियों को लेकर आज रेडक्रॉस सभाकक्ष कलेक्ट्रेट में अपर मुख्य सचिव एवं जिले की प्रभारी सचिव ऋचा शर्मा ने समीक्षा बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए कि उपार्जन केन्द्रों में सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण हों ताकि कृषकों को धान विक्रय में किसी प्रकार की समस्या न हो। किसानों को सुगमता से धान विक्रय की सुविधा मिले और भुगतान जल्द किया जाए। प्रभारी सचिव शर्मा ने कहा कि कोचियों एवं अवैध धान विक्रय-परिवहन पर निगरानी रखे एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। खरीदी में धान की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाए तथा तेजी से धान का उठाव सुनिश्चित हो। उन्होंने निर्देश दिए कि स्टेकिंग धान की किस्म के अनुसार सही तरीके से की जाए। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सभी उपार्जन केंद्रों में कॉल सेंटर के नंबर चस्पा किए जाने के निर्देश दिए, ताकि कृषक किसी भी समस्या की जानकारी तत्काल दे सकें।

चारों श्रेणियों में अव्वल रहा छत्तीसगढ़

उद्योग संगम में दिखा सुधार और विकास का नया मॉडल

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर देशभर में अपनी मजबूत पहचान दर्ज कराई है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग भारत सरकार द्वारा आयोजित 'उद्योग संगम' में राज्य को बिज़नेस रिफॉर्म एक्शन प्लान की चारों प्रमुख श्रेणियों में 'टॉप अचीवर' घोषित किया गया। यह उपलब्धि उस परिवर्तन यात्रा की गवाही है जो छत्तीसगढ़ ने बीते वर्षों में तय की है। कभी रैंकिंग में निचले पायदान पर रहने वाला यह राज्य आज गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे औद्योगिक दिग्गजों के साथ कदम से कदम मिलाकर खड़ा है। सुशासन, पारदर्शिता और उद्योग-अनुकूल नीतियों के बल पर छत्तीसगढ़ ने खुद को सुधार और विकास का नया मॉडल बना दिया है। राज्य ने BRAP के तहत अब तक 434 सुधार लागू किए हैं — जो इज ऑफ डूइंग बिज़नेस और इज ऑफ लिविंग को सशक्त बनाने की दिशा में उसके निरंतर प्रयासों को दर्शाते हैं। इन सुधारों में सबसे बड़ी पहल रही 'जन विश्वास अधिनियम', जिसके तहत छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य बना जिसने छोटे कारोबारी अपराधों को डीक्रिमिनलाइज कर दिया। इस कदम ने सरकार और उद्योग जगत के बीच भरोसे और सहयोग का नया पुल बनाया है। अब कारोबार में अनावश्यक डर या जटिलता की जगह पारदर्शिता और सहजता ने ले ली है। इसी कड़ी में राज्य ने भूमि अभिलेखों के स्वचालित म्यूटेशन की ऐतिहासिक शुरुआत की — यह कदम छत्तीसगढ़ को देश का पहला राज्य बनाता है जहाँ जमीन पंजीयन के साथ ही स्वामित्व का हस्तांतरण स्वत: हो जाता है। इससे न केवल प्रक्रियाएं सरल हुई हैं बल्कि लोगों को

कार्यालयों के चक्कर लगाने से भी मुक्ति मिली है। राज्य सरकार ने कई और सुधारों को धरातल पर उतारा है — जैसे दुकानों और प्रतिष्ठानों को 24म7 संचालन की अनुमति, फ्लैटेड इंडस्ट्री के लिए स्लैब में वृद्धि, भूमि उपयोगिता बढ़ाने हेतु सेटबैक में कमी, और फैक्ट्री लाइसेंस की वैधता 10 से बढ़ाकर 15 वर्ष करने के साथ ऑटो-रिन्यूअल सुविधा। इन सभी कदमों ने मिलकर राज्य में उद्योगों के लिए एक भरोसेमंद, स्थिर और पारदर्शी वातावरण तैयार किया है। इन उल्लेखनीय सुधारों के लिए छत्तीसगढ़ के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन और निवेश आयुक्त ऋचु सेन को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने सम्मानित किया। यह सम्मान इस बात का प्रतीक है कि छत्तीसगढ़ अब भारत के आर्थिक परिदृश्य में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इन सुधारों का असर निवेश माहौल पर साफदिख रहा है। बीते दस महीनों में 7.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जो यह साबित करते हैं कि निवेशक छत्तीसगढ़ की नीतियों, पारदर्शी प्रशासन और तेज़ निर्णय प्रणाली पर पूरा भरोसा करते हैं। यह सफलता छत्तीसगढ़ के लिए नए युग की शुरुआत है — ऐसा छत्तीसगढ़ जो विकास की दिशा तय कर रहा है, अवसरों को गढ़ रहा है और सबके लिए प्रगतिशील भविष्य की नींव रख रहा है। छत्तीसगढ़ का 'टॉप अचीवर' बनना पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है।

संपादकीय

महत्वपूर्ण सुप्रीम निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने आज आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई करते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अहम निर्देश जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि सभी आवारा पशुओं को सड़कों, राज्य के हाईवे और राष्ट्रीय राजमार्गों से हटाया जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे लेकर राज्यों के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानि एनएचएआई और नगरपालिकाओं को भी निर्देश जारी किया है। इतना ही नहीं कोर्ट ने निर्देश दिया है कि आवारा पशुओं को हटाने के लिए हाईवे निगरानी टीमें बनाई जाएं जो उन्हें पकड़ कर सड़कों से हटाएगी और शेल्टर होम्स में रखेगी। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में आगे आवारा कुत्तों के मुद्दे पर भी आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, बस और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाया जाए और उन्हें शेल्टर होम में जगह दी जाए। साथ ही उन्हें टीकाकरण के बाद भी उसी इलाके में न छोड़े जाने के निर्देश दिए गए हैं।सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों- जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने सुनवाई के दौरान कुत्तों के काटने के मामलों में चौंकाने वाली बढ़ोतरी की बात कही और आदेश दिया कि अधिकारी आवारा कुत्तों को पकड़ने के बाद उन्हें शेल्टर में टीके दिए जाएं। इसके बाद उन्हें पुरानी जगहों पर न छोड़ा जाए। इसके अलावा सार्वजनिक जगहों पर आवारा कुत्तों के दोबारा न घुसने देने के इंतजाम भी तय हों। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने 3 नवंबर को कहा था कि वह सरकारी बिल्डिंग्स के कैम्पस में कुत्तों को खाना खिलाने के नियम के लिए निर्देश जारी करेगा। कोर्ट ने सभी राज्यों के मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने से भी राहत दी थी। लेकिन चेतावनी दी थी कि हलफनामे में चूक हुई, तो उन्हें पेश होना पड़ेगा। दरअसल, यह मामला सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई को एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वयं नोटिस में लिया था। इसमें दिल्ली में खासकर बच्चों के बीच, आवारा कुत्तों के काटने और उससे होने वाले रेबीज के मामलों की जानकारी दी गई थी। बाद में, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का दायरा दिल्ली-एनसीआर तक सीमित न रखते हुए इसे सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद मध्यप्रदेश में स्ट्रीट डॉग्स को लेकर पड़ताल की गई। जिसमें कई बातें सामने आईं। मध्य प्रदेश की बात करें तो आंकड़ों पर नजर दौड़ाए तो साल 2022 में एमर्प स्ट्रीट डॉग्स की संख्या 10 लाख 9 हजार आंकी गई है। भोपाल में डेढ़ लाख से ज्यादा डॉग्स हैं। साल 20 यहां 19 हजार 285 लोगों को कुत्तों ने काटा था। इस साल जनवरी से जून के बीच 10 हजार 795 कुत्तों का शिकार बने। इंदौर में 30 हजार 304, ग्वालियर में 11 हजार 9 जबलपुर में 13 हजार 619, उज्जैन में 10 हजार और उज्जैन में 1131 लोग शिकार हुए थे।

दृश्य से अदृश्य की यात्रा मनुष्य सदा से देखने की इच्छा रखता आया है - वह बाहर की दुनिया को अपनी आँखों से देखता है, किन्तु भीतर की दुनिया को देखने की शक्ति बहुत कम लोगों में होती है। शरीर के भीतर क्या चल रहा है - यह जानना कभी रहस्य था। जब तक एक्स-रे जैसी तकनीक नहीं आई थी, तब तक चिकित्सक केवल लक्षण देखकर अनुमान लगाते थे। लेकिन 8 नवंबर 1895 को जब जर्मनी के महान वैज्ञानिक विल्हेम कॉनराड रॉन्टगन ने पहली बार एक्स-रे किरणों की खोज की, तो चिकित्सा जगत में क्रांति आ गई। उन्होंने मानव शरीर के भीतर झाँकने का ऐसा माध्यम दिया, जिसने चिकित्सा विज्ञान को नई दिशा दी। आज यही तकनीक आगे बढ़कर सीटी स्कैन, एमआरआई, अल्ट्रासाउंड, और पीईटी स्कैन जैसी उन्नत विधाओं का रूप ले चुकी है। और इसी कारण से, 8 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय रेडियोलॉजी दिवस मनाया जाता है - एक ऐसा दिवस जो विज्ञान, मानव सेवा, स्वास्थ्य चेतना और ज्ञान के प्रकाश का प्रतीक है। परंतु जब हम इसे योग और अध्यात्म की दृष्टि से देखते हैं, तो यह दिवस हमें एक गहरी प्रेरणा देता है।

रेडियोलॉजी शरीर के भीतर के प्रकाश को दिखाती है, पर योग आत्मा के भीतर के प्रकाश को प्रकट करता है

महेश अग्रवाल

जैसे रेडियोलॉजी शरीर के भीतर की अदृश्य सच्चाई को उजागर करती है, वैसे ही योग आत्मा की अदृश्य सच्चाई को प्रकट करता है।रेडियोलॉजी का विज्ञान और उसका दार्शनिक अर्थ रेडियोलॉजी केवल चिकित्सा तकनीक नहीं है, यह प्रकाश के माध्यम से सत्य को देखने की प्रक्रिया है। एक्स-रे में एक्स एक अज्ञात तत्व का प्रतीक था - और यही एक्स आज भी हमें याद दिलाता है कि मनुष्य के भीतर भी एक अज्ञात तत्व है - आत्मा, जिसे योग के द्वारा ही जाना जा सकता है।

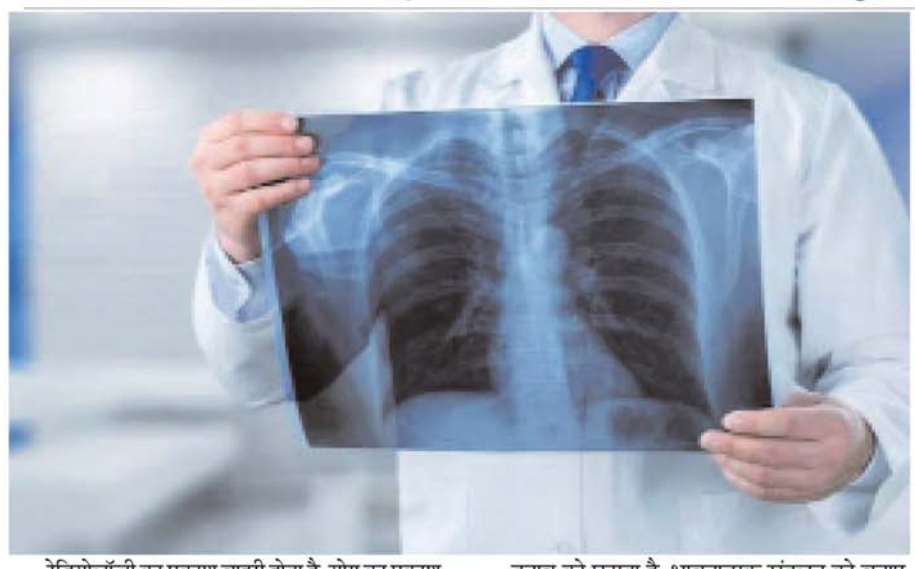

रॉन्टगन ने अपनी प्रयोगशाला में जिस दिन अपनी पत्नी के हाथ की हड्डियों की तस्वीर निकाली, वह केवल विज्ञान की उपलब्धि नहीं थी, वह एक दार्शनिक घटना थी - क्योंकि उस दिन पहली बार मनुष्य ने स्वयं के भीतर झाँकने का साहस किया। योग के ऋषि भी तो यही करते थे - वे अपने भीतर की संरचना, ऊर्जा और चेतना का अवलोकन ध्यान की किरणों से करते थे। एक वैज्ञानिक मशीन के माध्यम से भीतर देखता है, और एक साधक ध्यान के माध्यम से। दोनों ही दृश्य से अदृश्य की यात्रा पर हैं।

विश्व रेडियोलॉजी दिवस हर वर्ष 8 नवंबर को मनाया जाता है।2012 से यह उत्सव यूरोपियन सोसायटी ऑफ रेडियोलॉजी और रेडियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका द्वारा प्रारंभ किया गया। इसका उद्देश्य तीन प्रमुख हैं - आम जनता को रेडियोलॉजी के महत्व से अवगत कराना। समय पर रोग निदान की आवश्यकता पर बल देना। चिकित्सकों, टेक्नीशियनों और समाज के बीच सहयोग एवं सम्मान की भावना जगाना।भारत में यह दिन स्वास्थ्य मंत्रालय और कई चिकित्सा संस्थानों में विशेष जागरूकता कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है। कई जगह निःशुल्क एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड या कैंसर-जांच शिविर भी आयोजित होते हैं।

रेडियोलॉजी और आधुनिक स्वास्थ्य चेतना आज के युग में रेडियोलॉजी डायग्नॉस्टिक मेडिसिन का हृदय है।शरीर में क्या विकार है, किस अंग में रुकावट है, किस क्षेत्र में सूजन या गाँठ है - ये सब बिना शरीर को काटे, केवल प्रकाश के माध्यम से जानना - यह मानव बुद्धि का आश्चर्य है। कैंसर, हृदय रोग, अस्थि विकार, मस्तिष्क की बीमारियाँ - सभी की पहचान रेडियोलॉजी के बिना अधूरी है। आज एमआरआई से लेकर पीईटी स्कैन तक, शरीर के सूक्ष्मतम स्तर की जानकारी मिल जाती है। किन्तु यह भी सत्य है कि जैसे शरीर की छवि मशीन पर उभरती है, वैसे ही मन की छवि ध्यान में उभरती है। शरीर की तस्वीर मशीन बनाती है, आत्मा की तस्वीर ध्यान की स्थिरता बनाती है।

योग की दृष्टि से प्रकाश और अंधकार रेडियोलॉजी का मूल प्रकाश है – और योग का भी मूल प्रकाश है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है - तमसो मा ज्योतिर्गमय - अर्थात् अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। रेडियोलॉजी में यह प्रकाश शरीर के भीतर की छाया दिखाता है, योग में यह प्रकाश मन के भीतर की छाया को मिटाता है। रेडियोलॉजी शरीर की सच्चाई को उजागर करती है, योग आत्मा की सच्चाई को। रेडियोलॉजी का प्रकाश बाहरी होता है, योग का प्रकाश भीतरी। दोनों का उद्देश्य एक ही - सत्य का दर्शन।

योगिक रेडियोलॉजी – आत्मा का स्कैन योग में स्वाध्याय एक महत्त्वपूर्ण साधन है। यह मनुष्य को अपने भीतर झाँकने की कला सिखाता है। जब साधक ध्यान में बैठता है, तो वह अपने विचारों, भावनाओं, संस्कारों और इच्छाओं का निरीक्षण करता है - यह भी एक प्रकार की आत्मिक रेडियोलॉजी है। रेडियोलॉजिस्ट शरीर की रिपोर्ट देखकर रोग बताता है, साधक अपनी अंतःदृष्टि से मन के रोगों को पहचानता है। डॉक्टर दवा देता है, साधक ध्यान, संयम और प्रेम का अभ्यास करता है। दोनों का लक्ष्य - स्वास्थ्य, शांति और संतुलन।

कैंसर जागरूकता और रेडियोलॉजी 7 नवंबर राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस, 8 नवंबर - रेडियोलॉजी दिवस, इन दोनों दिनों का एक-दूसरे से गहरा संबंध है। कैंसर की पहचान प्रारंभिक अवस्था में हो जाए तो जीवन बचाया जा सकता है। रेडियोलॉजी इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। परंतु योग का संदेश यह है कि - रोग से पहले ही रोकथाम का मार्ग अपनाओ। योग शरीर की प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है, मानसिक तनाव को घटाता है, भावनात्मक संतुलन को बनाए रखता है। यह सब कैंसर और अन्य रोगों से रक्षा करने में सहायक हैं। प्राणायाम से ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, ध्यान से कोशिकाएँ शांत और संतुलित रहती हैं, सकारात्मक सोच से शरीर की हर प्रणाली में जीवन ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।

रेडियोलॉजिस्ट – आधुनिक युग के ऋषि यदि हम ध्यान से देखें, तो रेडियोलॉजिस्ट भी ऋषि के समान कार्य करता है। ऋषि ध्यान के माध्यम से भीतर की सच्चाई देखता है, रेडियोलॉजिस्ट मशीन के माध्यम से शरीर की सच्चाई। दोनों का लक्ष्य एक - सत्य का अन्वेषण और पीड़ा का निवारण। रेडियोलॉजिस्ट का मन शांत, एकाग्र और संवेदनशील होना चाहिए, क्योंकि उसके एक निर्णय पर किसी व्यक्ति का जीवन निर्भर करता है। इसी प्रकार साधक का मन भी एकाग्र, शुद्ध और करुणामय होना चाहिए। दोनों अपने-अपने क्षेत्र में प्रकाश के वाहक हैं।

योग, विज्ञान और समग्र स्वास्थ्य योग कहता है - स्वास्थ्य केवल शरीर की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि संतुलन की उपस्थिति है। संतुलन शरीर, मन, प्राण, बुद्धि और आत्मा - सभी में चाहिए। रेडियोलॉजी शरीर की असंतुलन स्थिति को दिखाती है, योग उस असंतुलन को मिटाने का मार्ग बताता है। यदि दोनों का संयोजन हो जाए - तो मनुष्य रोग-मुक्त ही नहीं, दुख-मुक्त भी हो सकता है।

आधुनिक अनुसंधान – योग का वैज्ञानिक प्रमाण अमेरिका, जापान और भारत के कई चिकित्सा अनुसंधान बताते हैं कि नियमित योग, ध्यान और प्राणायाम से मस्तिष्क की संरचना में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं। एमआरआई और ईईजी रिपोर्ट्स से सिद्ध हुआ है कि ध्यान से न्यूरॉन की गतिविधि संतुलित होती है, हृदय की गति सामान्य होती है, और तनाव हार्मोन घटते हैं। अर्थात - रेडियोलॉजी अब योग की पुष्टि कर रही है। वह जो ऋषि अनुभव से कहते थे, आज विज्ञान उसे प्रयोग से सिद्ध कर रहा है। योगिक आहार और रेडियोलॉजी की दृष्टि से शुद्धता शरीर वही प्रदर्शित करता है जो हम भीतर डालते हैं। रेडियोलॉजी के कैमरे से शरीर की संरचना साफ दिखाई देती है, योग कहता है - शुद्ध आहार, शुद्ध विचार, शुद्ध व्यवहार से भीतर का प्रकाश स्वतः प्रकट होता है।

प्रकृति और शरीर – समान ऊर्जा संरचनाएँ पृथ्वी की परतें जैसे भू-गर्भीय रहस्य छिपाए रहती हैं, वैसे ही हमारे शरीर में भी अनेक स्तर हैं - भौतिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक और आत्मिक। रेडियोलॉजी भौतिक स्तर को दिखाती है, योग इन सभी स्तरों को एक साथ समझने की क्षमता देता है। विज्ञान का प्रकाश और आत्मा की दीप्ति रेडियोलॉजी हमें शरीर की आंतरिक तस्वीर दिखाती है। योग हमें आत्मा की आंतरिक तस्वीर दिखाता है। रेडियोलॉजी का प्रकाश यांत्रिक है; योग का प्रकाश चेतन है। रेडियोलॉजी रोग को दिखाती है, योग रोग को मिटाता है। दोनों का मिलन मानवता के लिए वरदान है। अंतरराष्ट्रीय रेडियोलॉजी दिवस हमें याद दिलाता है कि जितनी निष्ठा से हम शरीर को समझते हैं, उतनी ही श्रद्धा से हमें आत्मा को भी जानना चाहिए। अंतिम प्रेरक संदेश जब हम अपने भीतर के अंधकार को पहचानकर उसे प्रकाश में रूपांतरित कर लेते हैं, उसी दिन हम सच्चे अर्थों में रेडियोलॉजिस्ट बन जाते हैं - आत्मा के।

सम्यक प्रकार से काया और कषायों को कमज़ोर करना संलेखना व्रत

सुनील कुमार जैन

परम पूज्य समाधिस्थ मुनि श्री 108 भूतबलि सागर जी के शिष्य प्रातः स्मरणीय क्षपक मुनिराज श्री 108 मौन सागर जी महाराज ने यम संलेखना व्रत को किया धारण ! महान चतुर्थ कालीन चर्या के धनी क्षपक मुनि 108 श्री मौन सागर जी महाराज की अनाव्रत यम संलेखना दिनांक 26/10/25 कार्तिक सुदी पंचमी रविवार से समता पूर्वक निर्यापक मुनि श्री 108 मुनि सागर जी महाराज के दिशा निर्देश पर सुसनेर (जिला आगर मालवा म.प्र.) में चल रही है ! ज्ञात हो कि गुरुदेव मुनि श्री 108 मौन सागर जी महाराज का सासंघ चातुर्मास सुसनेर (जिला आगर मालवा म.प्र.) में चल रहा है ! सुसनेर में मुनिराज श्री 108 मौन सागर महाराज के चातुर्मास का समय जैसे जैसे बढ़ता गया और मुनिराज की तप साधना ओर बढ़ती गई किसी को थोड़ा सा भी ज्ञात नहीं था कि गुरुदेव किस दिशा में आगे बढ़ रहे है ! गुरुदेव परम पूज्य 108 श्री मौन सागर जी मुनिराज अपने तप को ओर अपने मन को मजबूत करते हुए वैराग्य पथ पर आगे बढ़ते गए और एक दिन चातुर्मास निष्ठापन की बेला आई, तो दिनांक 26.10.2025 को रविवार दिन था ,जैसा कि चातुर्मास में प्रत्येक रविवार को विशेष प्रवचन ओर मुनिराज का मंगल आशीर्वाद सबको मिलता था, इसी क्रम में रविवार को गुरुदेव मुनिराज श्री 108 मौन सागर जी महाराज ने अपने मंगल आशीर्वाद का वाचन किया और उसी के बाद उन्होंने हम सभी को समझाते हुए अवगत कराया कि अब मै मोक्ष मार्ग के रास्ते पर और आगे जा रहा हू, जिस रास्ते पर हमारे आराध्य जिनेन्द्र भगवान ओर परम्परा से हमारे आचार्य साधु महाराज जाते आए है ! मेरे द्वारा जैन धर्म का मूल मर्म यम संलेखना को धारण किया जा रहा है ! सुसनेर चातुर्मास निष्ठापन धार्मिक सभा में मुनिराज के मुख से संलेखना की बात सुनकर सन्नाटा छा गया ! अब चुकी सभी श्रावक तो गृहस्थ होते है, तो कोई भी श्रावक इस बात को स्वीकार नहीं पाये क्योंकि श्रावक का साधुओं के प्रति विशेष राग रहता हैं, सुसनेर धार्मिक सभा में उपस्थित सभी श्रावकों ने आग्रह किया कि हे गुरुदेव आप अभी पूर्णतः स्वस्थ है एवं आपकी साधना भी नित्य शाश्वत रूप से उत्कृष्ट चल रही है, इस बाबत संलेखना तप साधना को अभी ग्रहण मत कीजिए ! अपने इस संकल्प को त्याग दीजिए, लेकिन कहते है कि दिगंबर साधु के मुख से एक बार जो निकल जाता हैं, वह पत्थर की लकीर होता है,प्राण जाय पर वचन न जाय ! अभी इसी क्रम में हम सभी के तारण हार गुरुदेव संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के आज्ञानुव्रत शिष्य समाधिस्थ मुनि श्री 108 भूतबली सागर जी के परम शिष्य श्री 108 मौन सागर जी महाराज ने यम संलेखना व्रत को धारण किया और अपनी तपस्या में निरंतर वैराग्य पथ पर आगे बढ़ रहे है ! फिर क्या था, मुनि श्री 108 मौन सागर जी महाराज की त्याग तपस्या से अब सुसनेर जैन समाज को नित्य ही आंतरिक शांति से परिपूर्ण आश्चर्यजनक वैराग्य दृश्य देखने को मिल रहे है, जैसा दृश्य कभी आचार्य श्री ज्ञान सागरजी ने आचार्य श्री विद्यासागरजी को अपना पद अंगीकार करके उनके चरणों में समाधि मरण का निश्चय किया ठीक वही दृश्य अब पुनः सुसनेर नगर के जैन श्रावकों को देखने मिल रहा है ! क्षपक मुनि 108 श्री मौन सागर जी महाराज मुनिराज का गृहस्थ अवस्था का नाम देवेंद्र कुमार था ! उनका जन्म 1952 में बास्तवाड नामक गांव ÷बेलगाम÷ में हुआ था उनके माता का नाम श्रीमती पद्मावती एवं पिता का नाम श्रीमंत था ! देवेंद्र कुमार का परिवार शुरू से ही पूर्णतः कृषि पर निर्भर हुआ करता था एवं उनकी माताजी पद्मावती देवी के हाथ काम नहीं करते थे तो वे बचपन से ही घर का सारा काम एवं कृषि का काम किया करते थे उनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही शासकीय विद्यालय में सम्पन्न हुई। देवेंद्र कुमार शुरू से ही बड़े ही धार्मिक रुचि के बालक हुआ करते थे । 1994 में ऐलक दीक्षा, और फिर 20 अप्रैल 1996 अक्षय तृतीया को गुरुवर भूत बलि सागर जी से मुनि दीक्षा को धारण कर देवेंद्र से मुनि मोन सागर हुए उसके बाद भूत बलि सागर जी संघ के साथ 1996 से 2001 तक महाराष्ट्र 2002 में गुजरात 2003 में छत्तीसगढ़ 2004 में उत्तर प्रदेश 2005 में हरियाणा 2006 में मध्यप्रदेश 2007 में फिर कर्नाटक 2008 से 2018 तक मध्यप्रदेश 2019 में फिर कर्नाटक 2020 में महाराष्ट्र 2021 में मध्यप्रदेश 2022 में राजस्थान और 2023 से 2025 तक मध्यप्रदेश में धर्म मय गंगा, ज्ञान मय गंगा का अविचल रूप से प्रभावना करते हुए और 26 अक्टूबर 2025 को सुसनेर (मध्य प्रदेश) में यम संलेखना धारण कर सिद्धों की श्रेणी की ओर अग्रसर है !

क्या बिहार में आला कमान की अपेक्षा पर खरे उतरेंगे मप्र के मोहन..?

आलोक एम इन्दौरिया

बिहार विधानसभा के बेहद प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में भाजपा आला कमान ने म प्र के मुख्यमंत्री और अब पिछडा वर्ग के साथ-साथ यादव समाज के एक काद्यावर नेता के रूप में स्थापित हो चुके मप्र के सीएम डा मोहन यादव को जिस तरह स्टार प्रचारक की भूमिका से नवाजा है अब इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि क्या मप्र के मोहन बिहार में आला कमान की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे ? क्योंकि जिस तरह से डा मोहन यादव को नरेंद्र मोदी अमित शाह और योगी जी के बाद बिहार चुनाव में तबज्जो दी गई है उसके चलते राजनीतिक वीथिकाओं में इस सवाल का जवाब लाजमी है यह अलहदा बात है की चुनावी नतीजे ही इस सवाल का सही जवाब देंगे। मगर जिस तरह से दिल्ली और हरियाणा विधानसभा चुनाव में उनका स्ट्राइक रेट रहा है उसके चलते आला कमान की उनसे अपेक्षाएं बढ़ गई है और यकीनन इस बात को खारिज करना नामुमकिन होगा।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव को आला कमान ने बिहार चुनाव में स्टार प्रचारक की भूमिका से नवाजा है और वह जबरदस्त तरीके से मध्य प्रदेश की अपनी टीम के साथ बिहार में काम कर रहे हैं ।दरअसल बिहार के चुनाव में यादव समाज की अहम भूमिका रहती है और यादव समाज के वोटो को मुस्लिम तथा अनुसूचित जाति के वोटो के साथ ध्रुवीकरण करके लालू यादव ने जिस तरह से अपनी विसात बिछाई थी उसके चलते बड़े लंबे समय तक बिहार में लालू यादव की हुकूमत कायम रही । बाद में नीतीश कुमार ने इसमे सेंध लगाई मगर 2020 के आम चुनाव में भी आरजेडी ने 75 विधानसभा सीट जीतकर अपना पहला स्थान सुनिश्चित किया था ? निश्चित ही जिस राजनीतिक जमीन पर लालू की पार्टी काम कर रही थी वह सत्ता के नजदीक पहुंचने वाली पुख्ता जमीन थी। यानी यादव और मुस्लिम वोटो के समीकरण में अन्य को जोड़कर सरकार बनाने का फार्मूला उनका हिट फॉर्मूला रहा है ??।और इसी के कारण इस बार 243 सीटों में से राजद ने 143 उम्मीदवारों की सूची में 51 यादव और 19 मुस्लिम समुदाय से प्रत्याशी उतारे हैं ?।इसके अलावा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री बनाने की घोषणा करके लगभग 45त्न वोटों को साधने का काम इंडी गठबंधन ने किया है। बेशक यह गठबंधन तो है मगर तेजस्वी यादव के परिवार का इस पूरे गठबंधन पर दबदबा किसी से छिपा नहीं है। यानी इस गठबंधन की बागडोर एक तरह से तेजस्वी यादव के हाथों में ही है।

यदि बिहार के जातिगत आंकड़े देखें तो कल 243 सीटों में से 100 के लगभग सीटों पर यादव वोटर बेहद निर्णायक भूमिका में है वही मुस्लिम वोटर 90 सीटों पर असर रखता है। बिहार की आबादी का लगभग 14.26त्न यादव समुदाय का हिस्सा है जो लंबे समय से आरजेडी का हिस्सा थे और आज भी बने हुए हैं ।वहीं लगभग 18 प्रतिशत के आसपास मुस्लिम समुदाय का भी हिस्सा है। भाजपा के पास बिहार में लालू या तेजस्वी के कद का यादव समाज का एक भी ऐसा नेता नहीं है जो आरजेडी को न केवल टक्कर दे सके बल्कि भाजपा की एनडीए की झोली वोटो से भर सके।

भाजपा ने इस बार एक सोची समझी की रणनीति के तहत मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव को स्टार प्रचारक बनाकर बिहार के चुनावी अखाड़े में उतारा है। बिहार के विधानसभा चुनाव में डा मोहन यादव का देश के एकमात्र यादव मुख्यमंत्री के रूप में प्रस्तुतीकरण का उद्देश्य यादव वोट बैंक में सेंध लगाकर इसे विभाजित करना और अपने पक्ष में लाना है?। इसके साथ ही यह भी संदेश देना है कि भाजपा सभी वर्गों को न केवल अवसर देती है बल्कि प्रतिनिधित्व भी देती है।डा मोहन यादव के साथ सबसे बड़ा प्लस पॉइंट यह है कि यादव समाज में तो उनकी स्वीकार्यता है ही मगर इसके साथ ही अन्य ओबीसी और एससी वर्ग में भी उन्हें स्वीकारा जाता है। हरियाणा और दिल्ली के विधानसभा चुनाव में उन्होंने जिन सीटों पर प्रचार किया था वहां पिछड़े वर्ग के साथ इन वोटरों में भी भाजपा को वोट देकर जिताया भी था ।हरियाणा में उनके प्रचार वाली अधिकांश सीटें भाजपा ने जीती थी यानी उनका स्ट्राइक रेट बहुत अच्छा माना गया था।

बिहार में भाजपा का एनडीए गठबंधन की चुनावी राजनीति और रणनीति सवर्ण यानि ब्राह्मण, ठाकुर और भूमिहार के साथ गैर यादव ओबीसी वर्ग जिसमें कुशवाहा, कोईरी और कुर्मी के साथ अति पिछड़ा वर्ग पर टिकी है।इस अति पिछड़ा वर्ग के मसीहा नीतीश कुमार है और यह अति पिछड़ा वर्ग 36त्न के लगभग है। डा मोहन यादव आला कमान की मंशा पर इस युति में यादव समाज को जोड़ने और भाजपा की ओर यादव वोटो को मोड़ने का काम कर रहे हैं। और जिस तरह से उन्हें जन समर्थन मिल रहा है, भारी भीड़ उनकी सभा में आ रही है, उससे तो फिल वक्त यह संकेत भाजपाई खेमे में अच्छे माने जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार मोहन यादव को उन 52 विधानसभा सीटों पर दमदारी से उतरा गया है जो यादव बहुल्य हैं और ओबीसी सेक्टर वहां अहम रोल प्ले करता है। बताया जाता है कि यह 52 सीटें किसी भी दल की राजनीति तकदीर को लिखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है?। यह भी है कि इन सीटों पर आवश्यकता नुसार डा मोहन यादव को एक से चार बार तक प्रचार ,रैली, सभा, रोड शो और नुक्कड़ सभाओं के लिए भेजा जा रहा है ।सकल भाजपा दल बिहार को यह बताना और जताना चाह रहा है कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव देश के एकमात्र मुख्यमंत्री हैं जो यादव समाज से आते हैं ।और इसी के चलते भाजपा उन्हें यादव बहुल्य सीटों पर भाजपा की ओर से एक बहुत बड़े और कद्दावर चेहरे के रूप में उतारकर यह बताना चाह रही है कि भाजपा में यादव समाज का बहुत अहम और सम्मानजनक स्थान है। बरहाल बिहार विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव पिछड़े वर्ग के साथ यादव समाज के एक बड़े प्रतिष्ठित और कद्दावर भाजपा नेता के रूप में उभर कर सामने आए हैं ।और अपने बेहद सधे,सटीक, लच्छेदार भाषणों तथा वाक्चातुर्य से उन्होंने चुनाव को परिवारवाद बनाम राष्ट्रवाद की लड़ाई की संज्ञा देकर अपने राजनीतिक चातुर्य का परिचय भी दिया है। उनकी सभाओं में उम्ड रही भीड़ निश्चित ही अन्य विपक्षी दलों में एक प्रकार का राजनीतिक डर और भय पैदा कर रही है और यदि ऐसा नहीं होता तो मनेर में सड़क और हेलीपैड खोद कर उनकी सभा को रोकने का प्रयास नहीं किया जाता ।बेशक बे आला कमान की कसौटी पर कितना खरे उतरेंगे यह तो चुनावी नतीजे ही बता पाएंगे लेकिन उनकी जबरदस्त सक्रियता यादव और पिछड़ा बाहुल्य क्षेत्र में एनडीए गठबंधन के लिए संभावनाओं के न केवल नए द्वार खोलने का काम कर रही है बल्कि डा मोहन यादव के राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा में बढ़ते राजनीतिक कद की ओर इशारा कर रही है, कद मे इजाफा कर रही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार,राजनीतिक विश्लेषक और स्तंभकार हैं)

आरी डोंगरी गोदावरी माइंस के क्षमता विस्तार जनसुनवाई को लेकर भानुप्रतापपुर में चक्काजाम

भानुप्रतापपुर। आरी डोंगरी गोदावरी माइंस के प्रस्तावित क्षमता विस्तार के लिए 13 नवंबर को कच्चे में आयोजित होने वाली जनसुनवाई को भानुप्रतापपुर में कराने और प्रभावित गाँवों की सूची उपलब्ध कराने की मांग को लेकर प्रभावित गाँवों के सरपंचों, ग्रामीणों और आदिवासी समाज के सामाजिक प्रतिनिधियों ने भानुप्रतापपुर-कच्चे मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। शुरू हुए इस प्रदर्शन के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए हैं। 4 बजें तक भी प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं देने के बाद प्रदर्शनकारी कच्चे की तरफ बढ़ाने लगे जिसको रोकने के लिए पुलिस विभाग द्वारा सड़क ब्लॉक किया गया था ग्रामीणों और पुलिस के बीच झूमाझटकी हुआ। जनसुनवाई को स्थगित करने व 15 किलोमीटर के दायरे के प्रभावित गांवों का सूची जारी करने सहित 15 सालों में सीएसआर व डीएमएफमद से कराए कार्यो का सूची प्रदान करने के मांग पर अड़े हुए हैं। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे आदिवासी नेता कोमल हुपेंडी, जनपद अध्यक्ष सुनाराम तेता, हरेश चक्रधारी, चंद्रमौली मिश्रा, सरपंच रमल कोर्राम ने गोदावरी माइंस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हुपेंडी ने कहा कि गोदावरी माइंस प्रबंधन लगातार आदिवासी भाइयों का शोषण कर रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि कंपनी की मनमानी पर रोक लगाई जाए। प्रदर्शन में बैठे ग्रामीणों ने मुख्य रूप से बेरोजगारों को रोजगार देने की मांग की है। उनका कहना है कि माइंस द्वारा उत्पन्न किए गए बेरोजगारी के संकट को दूर करना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। ग्रामीणों का

आरोप है कि कंपनी द्वारा सीएआर और डीएमएफ की राशि का उपयोग प्रभावित क्षेत्रों के विकास में नहीं किया गया है। उनका कहना है कि सीएआर और डीएमएफ राशि से कोई विकास कार्य नहीं हुआ है, जबकि इन निधियों का उददेश्य स्थानीय विकास और कल्याण होता है।

तानाशाही बर्दाश्त नहीं, आदिवासी नेता ने गोदावरी माइंस के खिलाफ बुलंद की आवाज

गोदावरी माइंस के विरोध में चल रहे चक्काजाम स्थल पर, आदिवासी नेता ने प्रदर्शनकारी ग्रामीणों की आवाज को मजबूती देते हुए कंपनी की तानाशाही पर तीखा प्रहार किया है। नेता ने साफ शब्दों में कहा कि अब गोदावरी माइंस की मनमानी और तानाशाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आदिवासी नेता ने अपने संबोधन में कहा कि गोदावरी माइंस को खुले हुए 15 साल से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन कंपनी ने प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए कोई ठोस कार्य नहीं किया है। प्रदर्शन में शामिल सैकड़ों ग्रामीणों में जोश भरते हुए हक और अधिकार की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। उन्होंने ग्रामीणों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह समय चुप बैठने का नहीं, बल्कि अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का है। यह बयान स्पष्ट करता है कि ग्रामीण अब केवल जनसुनवाई का स्थान बदलने की मांग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे पिछले 15 सालों से शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी जैसे बुनियादी मुद्दों को लेकर भी कंपनी के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई लड़ने को तैयार हैं।

जनपद सदस्य का बड़ा आरोपः बेरोजगारी, अव्यवस्था और भ्रष्टाचार का बोलबाला

जनपद सदस्य विष्णु कचलम ने स्थानीय प्रशासन और गोदावरी माइंस प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए क्षेत्र में व्याप्त अव्यवस्था, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उनका कहना है कि बेरोजगारों को अब तक रोजगार नहीं मिला है और प्रभावित गांवों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जबकि जनता को केवल 'लॉलीपॉप' पकड़ाया जा रहा है। स्थानीय बेरोजगार युवा नौकरी की तलाश में भटक रहे हैं, जबकि प्रशासन रोजगार उपलब्ध कराने के बड़े-बड़े वादे करता रहा है। उन्होंने कहा, बेरोजगारों को अब तक रोजगार नहीं मिला है, और प्रभावित गांवों में न सड़कें हैं, न पानी, न बिजली की समुचित व्यवस्था है। जनता को सिर्फ झूठे आश्वासन दिए जा रहे हैं। डीएमएफ फ ंड के उपयोग पर भी सवाल उठाए, जो खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए होता है। कचलम ने आरोप लगाया कि डीएमएफ राशि का कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है, और इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। सबसे गंभीर आरोपों में से एक गोदावरी माइंस पर मनमानी का है। जनपद सदस्य के अनुसार, गोदावरी माइंस द्वारा मनमानी करते हुए 5000 पेड़ों की कटाई कर दी गई है। उन्होंने दावा किया कि इस अवैध और बड़े पर्यावरणीय नुकसान की कोई जांच नहीं हो रही है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि नियमों को ताक पर रखा जा रहा है।

आदिवासी नेता संजू नेताम की चेतावनीः माइंस कंपनियां हमारे भाइयों को लूट रही हैं, आगे उग्र प्रदर्शन होगा

आदिवासी नेता संजू नेताम ने आरी डोंगरी माइंस सहित क्षेत्र की तमाम खनन परियोजनाओं पर तीखे हमले किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये खनन कंपनियां स्थानीय आदिवासी समुदायों को लूटने का काम कर रही हैं, जिससे युवाओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। नेताम ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि यह रवैया जारी रहा, तो भविष्य में उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। हमारे क्षेत्र में दर्जनों माइंस खुल गई हैं, लेकिन हमारे युवा बेरोजगार हैं। यह हमारे लिए और प्रशासन के लिए शर्म की बात है। ये कंपनियां हमारे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके अरबों कमा रही हैं, लेकिन हमारे बेटों को मामूली नौकरी भी नहीं दे रही हैं। सीधे तौर पर खनन कंपनियों पर आदिवासी समुदाय के शोषण का आरोप लगाया। उनका कहना है कि चाहे वह आरी डोंगरी माइंस हो या अन्य कोई परियोजना, इनका एकमात्र उद्देश्य स्थानीय आदिवासी भाइयों को लूटने और उनके संसाधनों पर कब्ज़ा करना है।

आप नेता का बड़ा हमलाः प्रशासन लोगों को लड़ा रहा है, बन गया है आंधी-भैरी

आम आदमी पार्टी के नेता हरेश चक्रधारी ने स्थानीय प्रशासन पर बेहद तीखे और कड़े शब्दों में हमला किया है। उन्होंने प्रशासन पर आरोप लगाया कि वह लोगों को आपस में लड़ाने का काम कर रहा है, जिसके कारण महत्वपूर्ण जनसुनवाई को भानुप्रतापपुर से हटाकर कच्चे जैसे दूरस्थ स्थान पर कराया जा रहा है। चक्रधारी ने प्रशासन को आंधी-भैरी कहकर उसकी कार्यशैली पर सवाल उठाए। जनसुनवाई का स्थान बदलने के पीछे प्रशासन की मंशा पर संदेह जताया। उन्होंने कहा कि प्रशासन जानबूझकर ऐसा कर रहा है जिससे लोग दूर होने के कारण जनसुनवाई में शामिल न हो सकें और उनकी आवाज दबाई जा सके। जनसुनवाई को भानुप्रतापपुर जैसे सुगम स्थान पर न कराकर कच्चे में कराया जा रहा है क्योंकि प्रशासन लोगों को आपस में लड़ाकर उनकी एकता तोड़ना चाहता है। यह प्रशासन की साज़िश है। सीधे तौर पर प्रशासन पर गोदावरी माइंस प्रबंधन के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों को भूलकर माइंस प्रबंधक के हिसाब से काम कर रही है, जिससे प्रभावित ग्रामीणों के हितों की अनदेखी हो रही है।

प्रभावित गांवों की सूची जारी करने की मांग

आप नेता ने मांग रखी कि प्रशासन को गोदावरी माइंस से प्रभावित गांवों की पूरी और सही सूची तत्काल प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर गांव वास्तव में माइंस से प्रभावित नहीं होते, तो ग्रामीण सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन क्यों करते। अगर गांव प्रभावित नहीं है तो ग्रामीण प्रदर्शन नहीं करेंगे। प्रशासन केवल कागजी खानापूर्ति कर रहा है। प्रशासन को वास्तविक प्रभावित गांवों की सूची सार्वजनिक करनी चाहिए, ताकि सच सामने आ सके। कड़े शब्दों में चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने अपना रवैया नहीं बदला और माइंस प्रबंधन के दबाव में काम करना बंद नहीं किया, तो आप इस मुद्दे को लेकर प्रभावित ग्रामीणों के साथ बड़े स्तर पर आंदोलन छेड़ेगी।

पुलिस की तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था

प्रदर्शन और चक्का जाम के चलते किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाली कांकेर डीएसपी योगेश साहू थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख अपने टीम के साथ तगड़ी सुरक्षा व्यवस्था किया गया था। अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों से बातचीत कर जाम खुलवाने और उनकी मांगों पर विचार करने का प्रयास किया जा रहा है। सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों के इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से यह स्पष्ट है कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में कंपनी के कामकाज और जनसुनवाई के स्थान को लेकर गहरा असंतोष है।

श्रमजीवी पत्रकार संघ की बैठक में नयी सदस्यता को लेकर हुई अहम चर्चा,पत्रकारों का हुआ सम्मान

किरन्दुल। छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ की बैठक बचेली में संपन्न हुई। उक्त बैठक में किरंदुल, बचेली और आसपास के क्षेत्रों से सभी सदस्य, अध्यक्ष तथा सचिव उपस्थित रहें। बैठक का मुख्य उददेश्य संगठन की नई सदस्यता प्रक्रिया एवं निर्वाचन की रूपरेखा तय करना था।इस अवसर पर पत्रकारों के बीच आपसी समन्वय और संगठन की एकजुटता पर भी विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम का सफल आयोजन श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला उपाध्यक्ष अमलेंदु चक्रवर्ती द्वारा किया गया। बैठक के अंत में सभी पत्रकार साथियों का सम्मान किया गया तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए संकल्प लिया गया। इस अवसर पर श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिलाध्यक्ष आजाद सक्सेना,महासचिव जितेंद्र चौधरी, संयोजक राजेन्द्र सक्सेना, रामकृष्ण बैरागी, कुआकोंडा ब्लॉक अध्यक्ष संजीव दास, गोविंद नाग, डीएम सोनी, शेखर दत्ता, रवि दुर्गा, के रघु राव, संदीप दीक्षित, एस एच अज़हर, किशोर जाल, बी राम बाबू, सलमान नवाब, लखन दुर्गा, साहिल गुप्ता, आशा कर्मा उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती समारोह के उपलक्ष्य में बस्तर आईटीआई में हुई रंगारंग प्रतियोगिताएं

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस 2025 के रजत जयंती समारोह के अंतर्गत आईटीआई बस्तर में रंगारंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। संस्था के प्रशिक्षणार्थियों ने इस कार्यक्रम में रंगोली, पोस्टर और चित्रकारी प्रतियोगिता में बढ़-चढ़ कर उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन विशेष रूप से संस्था के छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था। प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी कला और विचारों को कैनवास और फर्श पर उतारकर छत्तीसगढ़ की संस्कृति, प्रगति और भविष्य के दृष्टिकोण को जीवंत कर दिया। प्रतियोगिता स्थल पर एक अदभुत कलात्मक ऊर्जा और उत्सव का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के समापन पर संस्था के प्राचार्य डॉ. एके मांडले ने सभी प्रतिभागी प्रशिक्षणार्थियों की सराहना की और उनकी मेहनत की प्रशंसा की। उन्होंने अपने प्रेरणादायक शब्दों से सभी को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त कीं। यह आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में, आईटीआई बस्तर के प्रशिक्षणार्थियों के लिए एक यादगार और प्रेरणादायक अवसर साबित हुआ।

आधार ऑपरेटरों नियुक्ति किए जाने हेतु 21 नवंबर तक आवेदन आमंत्रित

नारायणपुर। आधार नामांकन एवं अद्यतन सेवाओं को सुदृढ करने हेतु अतिरिक्त आधार ऑपरेटरों की नियुक्ति किए जाने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय चिप्स, स्टेट डाटा सेंटर, सिविल लाईन्स, रायपुर, छत्तीसगढ़ स्वीकृति किया गया है, जिसके लिए मिशन मोड में छः माह की अवधि के लिए 10 आधार ऑपरेटरों की कलेक्टर दर पर नियुक्ति किया जाना है। ऑपरेटरों का मुख्य कार्य मिशन मोड पर आधार नामांकन, अद्यतन, बायोमेट्रिक डेटा कैप्चर, सत्यापन डेटा एण्ट्री किया जाना होगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय चिप्स, स्टेट डाटा सेंटर, सिविल लाईन्स, रायपुर, छत्तीसगढ़ के निर्देश के अनुसार जिला नारायणपुर में 10 आधार ऑपरेटर पदो के लिए कलेक्टर दर पर रुचि अभिव्यक्ति 21 नवम्बर 2025 समय 2.00 बजे तक जिला ई गवर्नेंस नारायणपुर, कलेक्टर कार्यालय कक्ष क्रमांक 67 मे आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

पंचायत सचिव की भर्ती हेतु आवेदन 05 दिसम्बर तक आमंत्रित

कांकेर। जिला पंचायत के तहत विभिन्न ग्राम पंचायतों में पंचायत सचिव के कुल 18 रिक्त पदों पर वर्गवार भर्ती के लिए आवेदन 05 दिसम्बर 2025 तक आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा विज्ञापन जारी किया गया है। आवेदन हेतु पात्रता, नियम व शर्तें, आवेदक की शैक्षणिक अर्हताएं, चयन प्रक्रिया आदि से संबंधित जानकारी एवं आवेदन पत्र का विस्तृत विवरण जिला पंचायत कांकेर सहित सभी जनपद पंचायतों के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है। साथ ही जिले के वेबसाइट https://kanker.gov.in/ में अवलोकनार्थ अपलोड किया गया है।

विधिक सेवा दिवस पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के द्वारा शांति फाउंडेशन का निरीक्षण एवं शिविर आयोजित किया गया

कोण्डागांव। 9 नवम्बर को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी के निर्देशानुसार गायत्री साय सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के द्वारा मानसिक रोगियों के उपचार और देखभाल की स्थिति का निरीक्षण करने के लिए शांति फाउंडेशन जिला कोण्डागांव का दौरा कियां। इस अवसर पर गायत्री साय ने मानसिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वाली संस्थाओं में उपलब्ध सुविधाओं, उपचार प्रक्रियाओं और रोगियों के अधिकारों की स्थिति का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान सचिव ने संस्था के देखभाल कर्मियों से बातचीत की और मानसिक, स्वास्थ्य देखभाल के मानकों का पालन सुनिश्चित करने लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया साथ ही संस्था परिसर में साफ सफाई करने के भी निर्देश दिए एवं विधिक सेवा दिवस के अवसर पर उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं, और छ.ग. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। शांति फाउंडेशन में कुल 78 मानसिक रोगी पाए गए जिसमें से पुरुष 36, महिला 39 एवं बच्चे 03 उपस्थित थें।

नियद नेल्लानार क्षेत्र के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें : कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई

नारायणपुर। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समय-सीमा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। साथ ही निर्माणाधीन विकास कार्यों में गति लाकर कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने नियद नेल्लानार क्षेत्र के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करने कहा तथा स्कूल विभाग के निर्माण कार्यों को पूर्ण नहीं करने वाले निर्माण एजेंसियों पर होगी कड़ी कार्यवाही करने निर्देशित किये हैं। धान विक्रय हेतु कृषक पंजीयन का सत्यापन करवाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर ने सरकार से प्राप्त वामपंथी उग्रवादी हिंसा में मृत घायल नागरिकों का विवरण, प्राथमिक शाला बिनागुण्डा के अतिथि शिक्षक, आश्रम छात्रावासों का निरीक्षण प्रतिवेदन, स्कूलों में शिक्षक की कमी, शालाओं में शिक्षकों की उपस्थिति, पेंशन, जीपीएफ ग्रेजुएटी एवं एरियस का समाधान, ग्राम पंचायत थुलथुली के स्वास्थ्य केन्द्र में स्टॉफ प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अंतर्गत एलपीजी गैस कनेक्शन प्रदाय, आधार नामांकन एवं अद्यतन सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु अतिरिक्त आधार ऑपरेटरों, पीडब्ल्यू डी के सड़क निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी लेकर आवश्यक कार्यवाही करने निर्देशित किया। उन्होंने ग्राम बेड़मा में माडयीन नदी में पुलिया निर्माण एवं सड़क निर्माण एवं ग्राम पंचायत झारावाही की मूलभूत सुविधाओं की समस्या की जानकारी ली। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत धुरबेड़ा की आश्रित ग्राम में दो नये हैण्डपंप, प्रधानमंत्री सूर्यघर, उच्च स्तरीय पानी टंकी निर्माण, विद्युत कनेक्शन, आवेदकों के राशन कार्डो के संबंध में जानकारी लेकर सांसद एव विधायक निधि के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत वन पट्टाधारी एवं पी.व्ही.टी.जी. कृषकों की पात्रता जांच तथा गोधन न्याय योजना के अंतर्गत पैरा परिवहन व्यय की समीक्षा जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। जिले में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने पर बल दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने विभागों के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें और जनहित से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

बस्तर विकास प्राधिकरण सहित विभिन्न योजनाओं के तहत अपूर्ण निर्माण कार्यों को जल्द पूर्ण करें

कांकेर। कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने समय सीमा की साप्ताहिक बैठक ली, जिसमें उन्होंने बस्तर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के तहत स्वीकृत किन्तु अपूर्ण निर्माण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए। इसके अलावा विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को भी शीघ्रता से पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। बैठक में कलेक्टर ने आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान खरीदी, एसआईआर की प्रगति, बस्तर ओलंपिक, रन फॉर यूनिटी तथा नक्सल पुनर्वास के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आहूत समय सीमा बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी के पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश खाद्य अधिकारी को दिए तथा सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा। इसी तरह भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक मतदाता सूची तैयार करने के पूर्व मतदाताओं के घर-घर जाकर सत्यापन कार्य की जानकारी उन्होंने ली। इस कार्य में तेजी लाने के लिए अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी को निर्देशित किया। इसके अलावा आगामी 12 से 14 नवम्बर तक आयोजित होने वाले बस्तर ओलंपिक की जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु खेल अधिकारी एवं सभी संबंधित अधिकारियों को सौंपे गये दायित्वों का कड़ाई से निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के सभी ब्लॉक से आने वाले खिलाड़ियों के लिए गरिमापूर्ण तैयारियां सुनिश्चित करने के लिए खेल अधिकारी को निर्देशित किया। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को अपने अनुभाग में गतिविधियों पर निगाह रखने के निर्देश दिए ताकि समय पर कानून व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायतों में विभिन्न मदों के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों के अप्रारंभ एवं अपूर्ण होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कार्य यथाशीघ्र शुरू कराने अथवा निरस्तीकरण की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़ समाज की मुख्यधारा में लौटे माओवादियों के पुनर्वास के संबंध में प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार पुनर्वास कैंपों में प्रशिक्षण कार्यक्रम के अलावा राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड सहित विभिन्न दस्तावेज तैयार करने के लिए संबंधित विभागों को कैंप अनिवार्य रूप से लगाने हेतु निर्देशित किया।

अवैध धान परिवहन पर प्रशासन की सख्ती, केशकाल में 65 बोरी धान जब्त

कोंडागांव। कलेक्टर नूपूर राशि पन्ना के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान खरीदी प्रक्रिया के दौरान धान के अवैध परिवहन और भंडारण पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) केशकाल आकांक्षा नायक के नेतृत्व में राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने केशकाल क्षेत्र में वाहनों की जांच की, जिसमें एक वाहन में नियम विरुद्ध 65 बोरी धान परिवहन करते पाया गया। जिसे जांच के बाद मंडी अधिनियम के अंतर्गत कुल 65 बोरी धान को जप्त की गई। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि धान के अवैध परिवहन, भंडारण और बिक्री पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही किसानों से अपील की गई है कि वे अपना पंजीकृत धान निर्धारित उपार्जन केंद्रों में ही बेचें।

बिहान योजना से आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं शकुन्तला शार्दुल

कोंडागांव। कभी दूसरों के खेतों में मजदूरी कर अपने परिवार का गुजारा करने वाली शकुन्तला शार्दुल अपने ही खेतों में मेहनत के बल पर आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। उनकी यह कहानी इस बात की मिसाल है कि अगर अवसर और मार्गदर्शन मिले तो महिलाएं अपने जीवन की दिशा बदल सकती हैं। शकुन्तला वर्ष 2015 में अपने गाँव की सिलेंदरी स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह के माध्यम से उन्होंने पहली बार लोन लेकर सेंटरिंग प्लेट का व्यवसाय शुरू किया, लेकिन अपेक्षित लाभ न मिलने पर उन्होंने दिशा बदली।

असफलता से निराश होने के बजाय शकुन्तला ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर सब्जी की खेती शुरू करने का निर्णय लिया। समूह से मिले ऋण की मदद से उन्होंने खेत में बोरवेल करवाया, जिससे सिंचाई की सुविधा प्राप्त हुई। शुरुआत में उन्होंने मटर, बरबटी और भिंडी की खेती की, जो काफी सफल रही और अच्छा मुनाफा मिला। इस सफलता से उत्साहित होकर शकुन्तला ने पुनः बिहान योजना से लोन लेकर ड्रिप सिंचाई प्रणाली लगवाई। अब उन्होंने खेती को बड़े पैमाने पर विस्तार देते हुए बैंगन, टमाटर, भिंडी और मटर जैसी फसलों की बुआई शुरू की। शकुन्तला की मेहनत का फल यह है कि उनकी खेती से प्रत्येक सीजन में अच्छा मुनाफा हो रहा है। पहले जहाँ परिवार को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ता था, वहीं अब वही परिवार आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन चुका है। शकुन्तला के पति खेती में उनका पूरा सहयोग करते हैं और उनका बेटा पढ़ाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि सब्जियों की खेती से उन्हें अब लगभग 15 हजार रुपए मासिक आय प्राप्त हो रही है। बिहान योजना ने शकुन्तला शार्दुल जैसी हजारों ग्रामीण महिलाओं के जीवन में परिवर्तन की नई रोशनी जगाई है। इस योजना के माध्यम से महिलाएँ स्व-सहायता समूहों से जुड़कर छोटे-छोटे व्यवसाय, खेती, पशुपालन और हस्तशिल्प जैसे कार्यों के जरिए आर्थिक स्वावलंबन की ओर अग्रसर हो रही हैं।

इससे न केवल उनकी आय बढ़ी है, बल्कि आत्मविश्वास और सामाजिक सम्मान भी हासिल हुआ है। शकुन्तला मुस्कुराते हुए कहती हैं कि बिहान योजना ने हमें खुद पर विश्वास करना सिखाया है। अब हम न सिर्फ अपने घर की जिम्मेदारी निभा रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन गई हैं।

निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य जारी केशकाल एसडीएम ने एफआईआर प्रक्रिया का किया निरीक्षण

कोंडागांव। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में कोंडागांव जिले में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया जारी है। यह अभियान 4 दिसम्बर तक चलेगा। इस अभियान के तहत जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर गणना पत्रक का वितरण कर रहे हैं। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) केशकाल आकांक्षा नायक ने बीएलओ द्वारा किए जा रहे एसआईआर की प्रक्रिया का निरीक्षण किया गया। इस दौरान फील्ड पर आ रही समस्याओं का निराकरण भी किया गया, साथ ही अनुविभागीय अधिकारी द्वारा सभी ग्राम वासियों, नगरवासियों, मतदाताओं को बीएलओ द्वारा किये जा रहे एसआईआर की प्रक्रिया में सहयोग करने एवं समय पर आधार कार्ड की प्रतिलिपि एवं एक पासपोर्ट साइज फोटो के साथ उपलब्ध रहने अपील की गई।

बालक आश्रम बारदा में हादसा – किचन में गर्म तेल से छात्र झुलसा, अधीक्षक की लापरवाही उजागर

बस्तर। बकावंड विकासखंड के अंतर्गत बालक आश्रम बारदा में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब किचन में खाना बनाते समय एक छात्र गर्म तेल की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया। हादसे के बाद घायल छात्र को तत्काल उपचार हेतु जगदलपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना के समय छात्रावास अधीक्षक सोनाधर गोयल छात्रावास से अनुपस्थित था। बताया जा रहा है कि अधीक्षक की अनुपस्थिति छात्रावास में आम बात है – वे रात्रि विश्राम भी प्रायः छात्रावास में नहीं करते। इस कारण किचन और अन्य दैनिक कार्यों की जिम्मेदारी बच्चों पर ही आ जाती है, जिससे न केवल उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है बल्कि सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा बना रहता है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अधीक्षक सोनाधर गोयल की लापरवाही की शिकायतें पूर्व में भी सामने आती रही हैं। इस घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। मंडल संयोजक से जब इस विषय में पूछा गया तो उन्होंने गोलमोल जवाब देते हुए जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। घटना की जानकारी सहायक आयुक्त को दी गई है, जिन्होंने मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

संक्षिप्त समाचार

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची पुनरीक्षण का लिया जायजा

बिलासपुर। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम शिवकुमार बनर्जी ने मस्तुरी विकासखण्ड का दौरा कर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का जायजा लिया। उन्होंने मस्तुरी के ग्राम लावर एवं दर्रीघाट में बीएलओ के कार्यों का निरीक्षण किया। बीएलओ को साथ लेकर कुछ मतदाताओं के घर पहुंचे और उन्हें इस कार्य का महत्व समझाया। बीएलओ द्वारा फ्लिहाल घर-घर पहुंचकर गणना फार्म बांटे जा रहे हैं। कोटा के नायब तहसीलदार अप्रतिम पाण्डेय ने भी अपने क्षेत्र के कुछ गांवों में इस कार्य का निरीक्षण किया।

जरगा रेत खदान की पांच साल के लिए हुई नीलामी

बिलासपुर। छत्तीसगढ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम, 2025 के तहत इलेक्ट्रॉनिक-नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से रेत खदान की नीलामी के लिए 10 अक्टूबर 2025 को रेत खदान आबंटन हेतु ग्राम जरगा, ग्राम पंचायत कोनचरा हेतु एन.आई.टी. जारी किया गया। उक्त निविदा हेतु ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से 04 नवम्बर से 10 नवम्बर 2025 तक (07 दिवस) तक आमंत्रित किया गया था। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जल संसाधन संभाग बिलासपुर के प्रार्थना भवन कक्ष में रेत खदान की जरगा का नीलामी हेतु 11 नवम्बर 2025 को टेंडर ओपन किया गया। टेंडर ओपन के दौरान कुल 115 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 108 पात्र एवं 07 अपात्र हुए। यह प्रक्रिया सुबह 10.30 बजे से शाम 7 बजे तक चली। वित्तीय बोली समरूप पाये जाने पर अधिमानी बोलीदार घोषित करने हेतु ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से लॉटरी प्रक्रिया की गई। लॉटरी प्रक्रिया में समस्त बोलीदारों के नाम उपस्थित बोलीदारों के समक्ष लॉटरी बॉक्स में डालकर लॉटरी के माध्यम से अधिमानी बोलीदार का चयन किया गया। बोलीदार द्वारा न्यूनतम बोली लगाये जाने पर श्रीमति नेहा शिवदासानी को ग्राम जरगा ग्राम पंचायत कोनचरा तहसील बेलगहना के खसरा क्रमांक 278 रकबा 4.600 हे. के लिए अधिमानी बोलीदार घोषित किया गया है। उपरोक्त पूरी प्रक्रिया अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति के सदस्यों, टीसीएम के सदस्यों, खनिज विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और बोलीकर्ताओंकी मौजूदगी में पूरा हुआ।

फिजियोथेरेपिस्ट भर्ती प्रक्रिया दावा आपत्ति 18 नवम्बर तक

बिलासपुर। जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के अंतर्गत संचालित समावेशी शिक्षा के तहत फिजियोथेरेपिस्ट के पद पर प्राप्त आवेदनों का विस्तृत विवरण एनआईसी की वेबसाईट ूएइपसेंचनतण्हवअण्पद में प्रकाशित किया गया है। यदि किसी आवेदक के विवरण में कोई विसंगति है तो आवेदक 18 नवम्बर 2025 तक प्रमाण सहित दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

ऑयल एक्सट्रेक्शन यूनिट स्थापित करने आवेदन 20 नवंबर तक

बिलासपुर। केंद्रीय योजना नेशनल मिशन ऑन इडिबल आयल-ऑयलसीड्स के अंतर्गत जिले में तेल निकालने की मशीन (ऑयल एक्सट्रेक्शन यूनिट) स्थापित करने के लिए रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की गई है। इस योजना के तहत 10 टन क्षमता की मशीन स्थापित करने का प्रस्ताव है। योजना के अंतर्गत यूनिट की लागत पर अनुदान 33 प्रतिशत (अधिकतम 9.90 लाख रू) प्रदान किया जाएगा। इच्छुक कृषक उत्पादक संगठन (एफ्पीओ), बीज उत्पादक सहकारी समितियाँ, सरकारी एवं निजी उद्योग प्रतिष्ठान 20 नवम्बर 2025 शाम 5 बजे तक आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेज के साथ स्पीड पोस्ट या रजिस्टर डाक के माध्यम से उप संचालक कृषि को भेज सकते है। आवेदन से संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

अरपा नदी में बढ़ता प्रदूषणः एसटीपी निर्माण में देरी पर श्रद्धा कंस्ट्रक्शन को 2.22 करोड़ का जुर्माना

बिलासपुर। शहर की जीवनरेखा कही जाने वाली अरपा नदी लगातार बढ़ते प्रदूषण की चपेट में है। नदी में गंदे पानी के प्रवाह को रोकने के लिए बनाए जा रहे सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण समय पर पूरा नहीं हो पाया है। इस लापरवाही पर बिलासपुर नगर निगम ने ठेका कंपनी श्रद्धा कंस्ट्रक्शन पर 2.22 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है और दिसंबर तक काम पूरा करने की सख्त चेतावनी दी है। निगम की रिपोर्ट के मुताबिक, शहर के 70 से अधिक नालों का लगभग 135 एमएलडी गंदा पानी बिना ट्रीटमेंट के सीधे अरपा नदी में जा रहा है। इनमें से करीब 110 एमएलडी पानी 11 बड़े नालों के जरिये नदी में पहुंचता है।

अखंड भारत के शिल्पी सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में निकली भव्य यूनिटी मार्च

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कोटा में किया शुभारंभ

बिलासपुर। भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आज बिलासपुर संसदीय क्षेत्र के कोटा में भव्य यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया।केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने आदि शक्ति मां महामाया के दर्शन कर कोटा के लिए रवाना हुए। केंद्रीय मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर पदयात्रा का शुभारंभ किया। विभिन्न मार्गों से निकली रैली ने एकता और अखंडता का संदेश दिया। केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि सरदार पटेल ने अखंड भारत की नींव रखी है, उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। कोटा में यूनिटी मार्च का शुभारंभ राम मंदिर पड़ावपारा से हुआ,श्री राम मंदिर चौक पर यूनिटी मार्च के तहत आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन देशभक्ति, दृढ़ संकल्प और कर्मनिष्ठा का उदाहरण है। उन्होंने अपने कूटनीतिक कौशल और अदम्य साहस से सभी रियासतों का विलय कर भारत की एकता की नींव रखी। आज का भारत उनके सपनों का साकार रूप है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत' की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवाओं को सरदार पटेल के जीवन मूल्य, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा भाव को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का समर्पण, दृढ़ता और निर्णय क्षमता आज भी भारत की एकता का प्रतीक है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने स्वदेशी अपनाने और एकता का सभी को संकल्प दिलाया। नगर पंचायत कोटा की अध्यक्ष श्रीमती सरोज दुर्गेश साहू ने इस अवसर पर कहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल का योगदान भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उन्होंने जिस धैर्य और दूरदर्शिता के साथ देश की रियासतों का विलय कर अखंड भारत का निर्माण किया, वह सदैव

प्रेरणास्रोत रहेगा। उनकी 150वीं जयंती पर पूरा देश उन्हें नमन कर रहा है। रैली में तिरंगा लिए युवाओं में दिखा उत्साह-केंद्रीय मंत्री श्री तोखन साहू द्वारा हरी झंडी दिखाते ही रैली नगर के मुख्य मार्गों पर निकली। सबसे आगे सरदार पटेल की प्रतिमा से सुसज्जित रथ, उसके पीछे बाजे-गाजे,और लोक नृत्य सुआ व कर्मा की मनमोहक प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। रैली में शामिल सैकड़ों छात्र-छात्राएं, युवा, एनएसएस, एनसीसी स्वयंसेवक, महिला समूहों और सामाजिक संगठनों के सदस्य हाथों में तिरंगा लिए वंदे मातरम भारत माता की जय और सरदार पटेल अमर रहें का जयघोष करते रहे। पदयात्रा पड़ावपारा से तहसील कार्यालय मार्ग की ओर बढ़ी, जहां नागरिकों, स्कूली छात्रों ने फूल-मालाओं और पुष्पवर्षा से रैली का भव्य स्वागत किया। चंडी मंदिर चौक पर कन्या विद्यालय की छात्राओं ने रैली का स्वागत किया। मार्ग में अटल परिसर में अटल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। पदयात्रा नगर भ्रमण करते हुए नगर पंचायत कोटा पहुंची जहां आयोजित समापन समारोह में स्वच्छता दीदियों को सम्मानित किया गया।यहां छात्राओं द्वारा सुआ और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। रैली का सम्पन्न जय स्तंभ नाका चौक पर किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्री लवकुश कश्यप, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरुण सिंह, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष श्री घनश्याम रात्रे, श्री मोहित जायसवाल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के सदस्य, महिला समूहों स्कूली छात्र, खेल संघों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि सरदार पटेल की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में बिलासपुर संसदीय क्षेत्र में पदयात्रा का आयोजन कर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया जा रहा है

हाईकोर्ट अधिवक्ता राहुल अग्रवाल की संदिग्ध मौत ने उठाए सवाल,अधिवक्ताओं ने की एसआईटी एजेंसी से जांच की मांग

बिलासपुर। हाईकोर्ट के युवा अधिवक्ता राहुल अग्रवाल की संदिग्ध मौत का मामला अब गंभीर मोड़ ले चुका है। तीन दिन पहले रामसेतु पुल के नीचे उनका शव मिलने के बाद से ही इस घटना को लेकर कई तरह की चर्चाएं तेज हैं। शुरुआती जांच में पुलिस ने इसे प्रेम प्रसंग से जुड़ा आत्महत्या का मामला बताया था, लेकिन अधिवक्ता के परिजनों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। अब इस मामले में हाईकोर्ट के सीनियर एडवोकेट्स का प्रतिनिधिमंडल बिलासपुर कलेक्टर से मिला और एसआईटी के माध्यम से निष्पक्ष जांच की मांग की। जानकारी के मुताबिक, भाटापारा निवासी राहुल अग्रवाल पिछले सात वर्षों से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे थे।

घटना की रात वे अपने दोस्तों के साथ घूमने निकले थे, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटे। परिजनों ने जब खोजबीन की तो उनकी कार रामसेतु पुल पर खड़ी मिली और पुल के नीचे पानी में उनका शव तैरता मिला। स्थानीय युवकों की सूचना पर सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। कपड़ों से पहचान की गई और परिजनों को सूचित किया गया। अब, अधिवक्ता समुदाय का कहना है कि यह मामला संदिग्ध है और इसे आत्महत्या बताकर बंद नहीं किया जा सकता। कलेक्टर ने अधिवक्ताओं को आश्वासन दिया है कि एसएसपी से चर्चा कर निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। इस घटना ने न केवल अधिवक्ता समाज में आक्रोश पैदा किया है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा किया है कि आखिर राहुल अग्रवाल की मौत के पीछे की सच्चाई क्या है।

जिला पंचायत बिलासपुर में तबादले के बाद भी अधिकारी पद पर कायम प्रशासनिक कार्यशैली पर उठे सवाल

बिलासपुर। जिला पंचायत बिलासपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है जिसने विभाग की पारदर्शिता और अनुशासन पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, परियोजना अधिकारी वंदना गबेल का तबादला अक्टूबर 2024 में हो चुका है, लेकिन पूरा एक वर्ष बीत जाने के बावजूद उन्हें अब तक रिलीव नहीं किया गया। हैरानी की बात यह है कि रिलीव न होने के बावजूद हाल ही में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का अतिरिक्त प्रभार भी सौंप दिया गया है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, शासन स्तर से वंदना गबेल का ट्रांसफर आदेश जारी हुआ था, लेकिन स्थानीय प्रशासन ने आदेश पर अमल नहीं किया। सूत्रों का यह भी कहना है कि कुछ प्रभावशाली रसूख के चलते यह आदेश ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इसी बीच, प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े कई आवास मित्रों ने परियोजना अधिकारी पर मनमानी और उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि अधिकारी की कार्यशैली के कारण योजना का सही क्रियान्वयन प्रभावित हो रहा है। कई पात्र हितग्राहियों को समय पर स्वीकृति नहीं मिल पा रही, जिससे उन्हें आवास निर्माण का लाभ लेने में दिक्कतें हो रही हैं। स्थानीय स्तर पर बढ़ी चर्चा, शासन तक पहुंचा मामला यह मामला अब स्थानीय स्तर पर था। चर्चा का विषय बन गया है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब शासन ने अधिकारी का स्थानांतरण एक साल पहले ही कर दिया था, तो उन्हें अब तक रिलीव क्यों नहीं किया गया। यह स्थिति विभागीय अनुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करती है। सूत्रों के अनुसार, पूरा मामला अब शासन स्तर पर भेजने की तैयारी में है। संभावना है कि इस पर उच्चस्तरीय जांच या कार्रवाई जल्द शुरू हो सकती है। सीईओ ने दी सफाई इस मामले में जब जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल से बात की गई, तो उन्होंने कहा, वंदना गबेल का ट्रांसफर पिछले साल किया गया

बिलासपुर- झारसुगुड़ा सेक्शन में चौथी लाइन परियोजना पर किया जा रहा है कार्य

मंडल के सारागाँव स्टेशन में चौथीलाइन कनेक्टिविटी का किया जायेगा कार्य, कुछ गाड़ियों का परिचालन रहेगा प्रभावित

बिलासपुर। हावड़ा-मुंबई मुख्य लाइन पर स्थित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के बिलासपुरङ्कझारसुगुड़ा सेक्शन में चौथीलाइन निर्माण का कार्य किया जा रहा है । इस कड़ी में चांपा-खरसिया सेक्शन के सारागाँव स्टेशन में चौथीलाइन कनेक्टिविटी हेतु नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जायेगा । इस कार्य के फ्लस्वरुप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा, जिसकी जानकारी इस प्रकार है :-

रद्द होने वाली गाडियां:-

दिनांक 14 से 17 नवम्बर 2025 तक गाड़ी संख्या 68738/68737 बिलासपुर-रायगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी ।

दिनांक 13 से 16 नवम्बर 2025 तक गाड़ी संख्या 68736 बिलासपुरङ्कारायगढ़ मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी ।

दिनांक 14 से 17 नवम्बर 2025 तक गाड़ी संख्या 68735 रायगढ़-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी ।

रास्ते में समाप्त/प्रारंभ होने वाली गाड़ी - 1) दिनांक 14 से 17 नवम्बर 2025 तक गोंदिया से चलने वाली गाड़ी संख्या 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू पैसेंजर, बिलासपुर स्टेशन में समाप्त होगी तथा बिलासपुर-झारसुगुड़ा के मध्य रद्द रहेगी। इसी प्रकार दिनांक 14 से 17 नवम्बर 2025 तक झारसुगुड़ा से चलने वाली 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर बिलासपुर स्टेशन से प्रारंभ होगी तथा झारसुगुड़ा-बिलासपुर के मध्य रद्द रहेगी।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने की पीएम सूर्यघर बिजली योजना की समीक्षा....

बिलासपुर। पीएम सूर्यघर बिजली योजना को गति देने के लिए कलेक्टर संजय अग्रवाल ने संबंधित स्टेक होल्डर्स की बैठक ली। उन्होंने बैठक में वेन्डर्स, बैंक एवं बिजली अधिकारियों से चर्चा कर सामने आ रही दिक्कतों को नोट किया और इनके निराकरण का भरोसा दिया। मालूम हो कि बिलासपुर जिलों को इस योजना के लिए चालू वित्तीय वर्ष में 24 हजार सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य मिला है। इसके विरूद्ध 4 हजार ऑनलाईन आवेदन मिले हैं। इनमें आधे से ज्यादा आवेदकों के घरों में संयत्र स्थापित हो चुके हैं। उन्हें योजना का फायदा मिलना शुरू हो गया है। बिजली बिल में काफी राहत मिली है। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार भी बैठक में उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बैठक में कहा कि ये एक ऐसी योजना है कि जिसमें हर पक्ष को फायदा ही फायदा है। बिजली बिल कम आने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण को बल मिलता है। काफी लोगों को इसमें रोजगार भी मिल रहा है। कलेक्टर ने वेन्डर्स से कहा कि आवेदन मिलने के बाद समय-सीमा में सोलर पैनल लगाएं। पैनल की गुणवत्ता पर खास ध्यान दें। योजना की शुरूआत हुई हैं। सेवा की गुणवत्ता घटिया हुई तो लोग आगे चलकर इसे अपनाने में झिझक सकते हैं। बैंक ऋण मिलने में हो रही विलंब को दूर करने के लिए कलेक्टर ने बैंक प्रबंधन को निर्देश दिए। जिले में इस योजना के तहत 25 वेन्डर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक सोलर पैनल स्थापित करने के लिए लगभग 2 दिन लगते हैं। कलेक्टर ने योजना को विस्तार देने के लिए सूर्यमित्र के रूप में युवाओं को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए। आईटीआई एवं कौशल विकास विभाग को इसकी कार्य-योजना बनाने को कहा है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य मकान की छतों पर सौर पेनल लगाकर मुफ्त बिजली और बिजली के बिल में बचत प्रदान करना है। इस योजना के तहत घर की छत पर लगे सोलर पेनल लगाने की लागत पर आकर्षक सबसिडी दी जाती है। प्रति माह 300 यूनिट तक बिजली का उपयोग करने वाले परिवारों को लगभग 15 हजार सालाना की बचत करने में मदद कर सकती है। बैठक में बिजली विभाग के ईई अनुपम सरकार, बीबी नेताम, एचके चन्द्रा सहित एलडीएम दिनेश उरांव एवं वेन्डर्स उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष जिले में उद्यानिकी प्रगतिःपरंपरा से आधुनिकता की ओर बढ़ रहा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन को पच्चीस वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। यह रजत जयंती वर्ष राज्य की विकास यात्रा का प्रतीक है। वह यात्रा जिसमें परंपरा और तकनीकी नवाचार मिलकर कृषि को आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर कर रहे हैं। बिलासपुर जिला इस प्रगति का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है, जहाँ किसानों ने परंपरागत खेती के अनुभवों को आधुनिक तकनीकों के साथ जोड़ते हुए उद्यानिकी क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। कभी पारंपरिक खेती तक सीमित रहने वाला यह क्षेत्र आज स्मार्ट कृषि की ओर बढ़ चुका है। यहाँ के किसान अब ड्रोन आधारित फसल निरीक्षण, सेंसर युक्त सिंचाई प्रणाली और डाटा विश्लेषण आधारित निर्णय जैसे आधुनिक उपायों का प्रयोग कर रहे हैं। इससे न केवल फसल की उत्पादकता और गुणवत्ता में वृद्धि हुई है, बल्कि लागत में कमी और पर्यावरणीय संतुलन भी सुनिश्चित हुआ है। राज्य सरकार द्वारा बागवानी फसलों के विविधिकरण और संरक्षित खेती को बढ़ावा देने से किसानों के लिए लाभकारी कृषि के नए अवसर सृजित हुए हैं। कृषि छत्तीसगढ़ की रीढ़ है। राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में कृषि का योगदान लगभग 25 प्रतिशत है, जबकि 80 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि और उससे जुड़े उद्योगों पर निर्भर है। ऐसे में कृषि और बागवानी क्षेत्र का सुदृढ़ीकरण राज्य की आर्थिक प्रगति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य गठन के समय बिलासपुर जिले में उद्यानिकी फसलों का कुल रकबा 13,242 हेक्टेयर तथा उत्पादन 1,10,608 मीट्रिक टन था।

वर्तमान में यह बढ़कर 57,595 हेक्टेयर क्षेत्रफल और 4,38,448 मीट्रिक टन उत्पादन तक पहुँच गया है कृ यह केवल आंकड़ों की वृद्धि नहीं, बल्कि जिले की कृषि जागरूकता और तकनीकी प्रगति का प्रमाण है राज्य गठन के प्रारंभिक समय में जहाँ केवल तीन उद्यानिकी योजनाएँ संचालित थीं, वहीं आज बिलासपुर जिले में आठ प्रमुख योजनाओं के माध्यम से किसानों को लाभ प्रदान किया जा रहा है - 1. राज्य पोषित उद्यानिकी योजना 2. राष्ट्रीय बागवानी मिशन 3. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना 4. सब मिशन ऑन एग्रोफॉरेस्ट्र 5. ऑयल पाम योजना 6. पुनर्गठित बांस मिशन 7. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 8. फसल बीमा योजना प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत 589 हेक्टेयर क्षेत्र में टपक सिंचाई प्रणाली स्थापित की गई है, जिससे जल का संरक्षण और फसल उत्पादन दोनों में वृद्धि हुई है। संरक्षित खेती: आधुनिक उद्यानिकी की दिशा में कदम- संरक्षित खेती के क्षेत्र में बिलासपुर जिलासी प्रदेश में अग्रणी है-शेडनेट हाउस 2 लाख वर्गमीटर, नेचुरल वेंटिलेटेड पॉली हाउस 40 हजार वर्गमीटर एवं मल्चिंग खेती 4 हजार 300 हेक्टेयर क्षेत्र में की जा रही है। इन माध्यमों से उच्च गुणवत्ता की सब्ज़ी एवं फूलों की खेती की जा रही है,का जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विकासखंड बिल्हा स्थित शासकीय उद्यान रोपणी, सरकंडा में स्थापित प्लग टाइप सीडलिंग यूनिट जिले की बड़ी उपलब्धि है। यहाँ अब तक 1 करोड़ 16 लाख 45 हजार से अधिक रोगमुक्त सब्ज़ी पौध तैयार कर किसानों को वितरित की गई है। वर्तमान में ग्राफ्टेड टमाटर और बैंगन की पौध उत्पादन तकनीक विशेष लोकप्रियता प्राप्त कर रही है। किसानों के लिए सुरक्षा और नवाचार -अब तक जिले के लगभग 52 हजार 200 कृषक विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभांवित हो चुके हैं। वर्ष 2016-17 से संचालित पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अंतर्गत 1,261 कृषकों को 24.19 लाख रुपए का दावा भुगतान किया जा चुका एक्स है। जिले के कुछ नवोन्मेषी किसानों ने ड्रेगन फ्रूट, हाइब्रिड कटहल, जरबेरा, डच गुलाब और जरेनियम जैसी उच्च मूल्य की फसलों की खेती कर आधुनिक कृषि की दिशा में उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उच्चभिट्ठी समपार वार्षिक मरम्मत कार्य हेतु बंद रहेगी

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत किरोड़ीमलनगर यार्ड में स्थित 594/07-09 पर स्थित मानव सहित समपार संख्या 293 (उच्चभिट्ठी) को दिनांक 16, 17 एवं 18 नवम्बर 2025 को रात्रि 10 बजे से सुबह 08 बजे तक वार्षिक मरम्मत कार्य करने हेतु सड़क यातायात के लिए बंद करने का निर्णय लिया गया है। उक्त समपार पर मरम्मत कार्य के दौरान सड़क यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग पास में ही स्थित जिंदल अंडर पास व मुरारीपाली अंडर पास से उपलब्ध है।

रेल प्रशासन आम जनता को होने वाली असुविधा के लिए खेद प्रकट करता है एवं सहयोग की आशा करता है ।

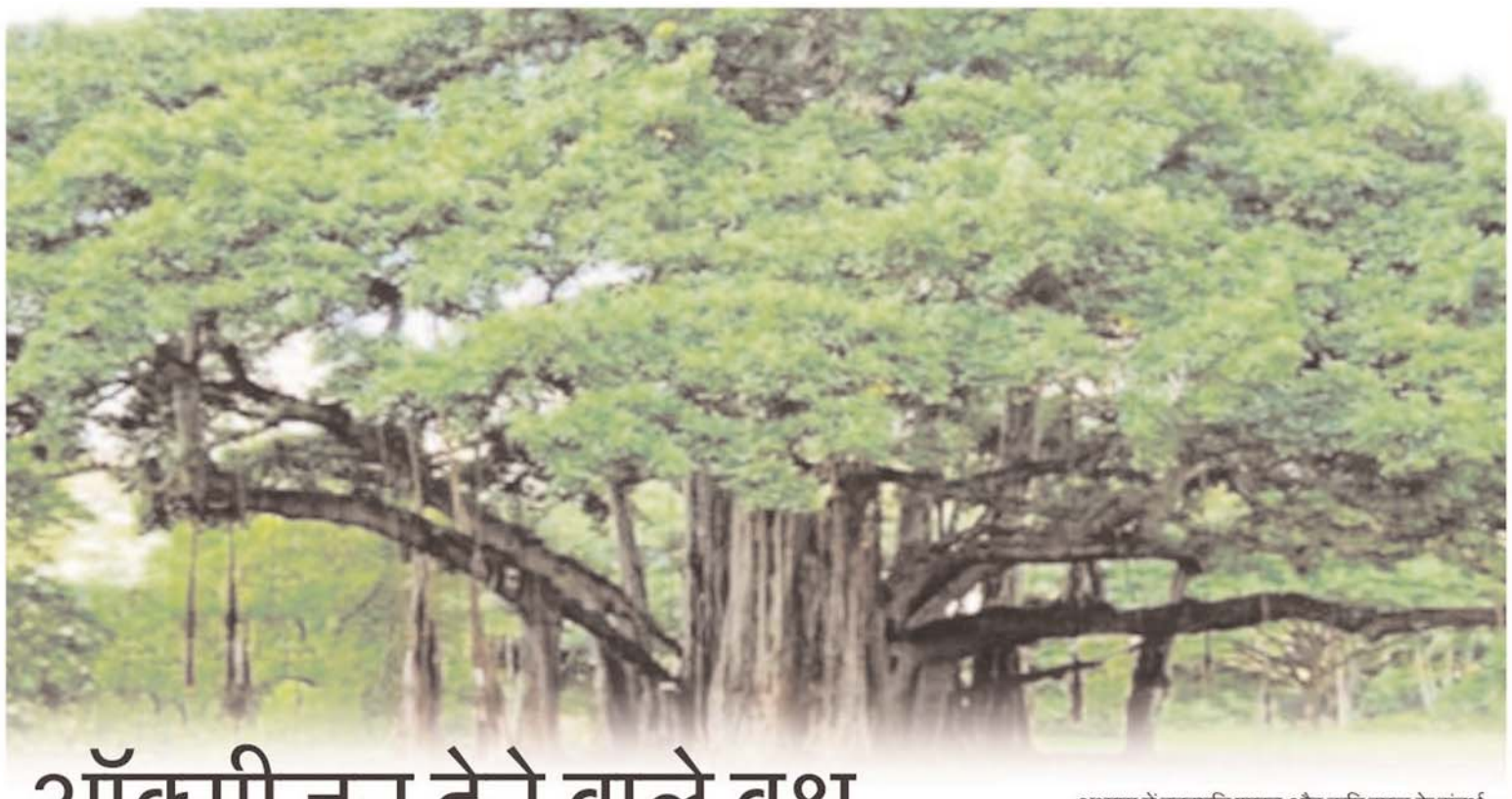

ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष के आध्यात्मिक रहस्य

हर धर्म में पेड़, पौधे और वृक्षों का बहुत महत्व है, परंतु इसको कोई महत्व नहीं देता है। जिस देजी से वृक्ष कटते जा रहे हैं उससे धरती का पर्यावरण ही नहीं बदल रहा है बल्कि जीवन में संकट में हो चला है। धरती पर ऑक्सीजन का निर्माण करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वृक्ष नहीं होंगे तो एक दिन वायु भी नहीं होगी और वायु नहीं होगी तो फिर मानव भी नहीं होगा। आओ जानते हैं वृक्ष के 20 रहस्य।

- शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, दस इमली, तीन कैथ, तीन बेल, तीन आंवला और पांच आम के वृक्ष लगाता है, वह पुण्यात्मा होता है और कभी नरक के दर्शन नहीं करता। इसी तरह धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष सहित प्रकृति के सभी तत्वों के महत्व की विवेचना की गई है।
- भारतीय धर्म मानता हैं कि प्रकृति ही ईश्वर की पहली प्रतिनिधि है। प्रकृति के सारे तत्व ईश्वर के होने की सूचना देते हैं। इसीलिए प्रकृति को देवता, भगवान और पितृ माना गया है। यहां प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है। यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं। धर्म मानता है कि दूरस्थ स्थिति ध्रुव तारा भी हमारे जीवन को संचालित कर रहा है। फिर हिमालय के ग्लेशियर और चंद्रमा के तो कहने ही क्या। संपूर्ण ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। एक कड़ी टूटी तो सबकुछ बिखर जाएगा। यह ब्रह्मांड उल्टे वृक्ष की भांति है।
- धर्मानुसार पांच तरह के यज्ञ होते हैं जिनमें से दो यज्ञ- देवयज्ञ और वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति को समर्पित है। दोनों ही तरह के यज्ञों का वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व है। देवयज्ञ से जलवायु और पर्यावरण में सुधार होता है तो वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति और प्राणियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का तरीका है। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्त्तव्य समझना उन्हें अन्न-जल देना ही भूतयज्ञ या वैश्वदेव यज्ञ कहलाता है।
- हिन्दू धर्मानुसार वृक्ष में भी आत्मा होती है। वृक्ष संवेदनशील होते हैं और उनके शक्तिशाली भावों के माध्यम से आपका जीवन बदल सकता है। प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना की पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में कुछ खास और अलग है। इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है। यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।
- स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।
- अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण पीपल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। पीपल के वृक्ष में जड़ से लेकर पत्तियों तक तैंतीस कोटि देवताओं का वास होता है और इसलिए पीपल का वृक्ष प्रात: पूजनीय माना गया है। उक्त वृक्ष में जल अर्पण करने से रोग और शोक मिट जाते हैं। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'हे पार्थ वृक्षों में मैं पीपल हूं।' अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दु:ख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है। सड़क के किनारे पीपल का वृक्ष लगाने, तथा उसका पालन करने वाला देवलोक प्राप्त करता है। पीपल के वृक्षों का रोपण करने वाला इस लोक में तो कीर्ति प्राप्त करता है, मृत्युपरांत भी मोक्ष को प्राप्त होता है। इसमें संदेह नहीं है।
- बरगद को वटवृक्ष कहा जाता है। हिंदू धर्म में वट सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट को ही समर्पित है। हिंदू धर्मानुसार चार वटवृक्षों का महत्व अधिक है। अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्धवट के बारे में कहा जाता है कि इनकी प्राचीनता के बारे में कोई नहीं जानता। संसार में उक्त चार वटों को पवित्र वट की श्रेणी में रखा गया है। प्रयाग में अक्षयवट, नासिक में पंचवट, वृंदावन में वंशीवट, गया में गयावट और उज्जैन में पवित्र सिद्धवट है।
- **आम है खास** : हिंदू धर्म में जब भी कोई माँगलिक कार्य होते हैं तो घर या पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। 5 या अधिक आम के वृक्षों का रोपण पालन करने वाला अनेक दुर्लभ यज्ञों के फल को प्राप्त कर सकता है।
- **भविष्यवक्ता शमी** : विक्रमादित्य के समय में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वराहमिहिर ने अपने बृहतसंहिता' नामक ग्रंथ के 'कुसुमलता' नाम के अध्याय में वनस्पति शास्त्र और कृषि उपज के संदर्भ में जो जानकारी प्रदान की है उसमें शमीवृक्ष अर्थात खिजड़े का उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर के अनुसार जिस साल शमीवृक्ष ज्यादा फूलता-फलता है उस साल सूखे की स्थिति का निर्माण होता है। विजयादशमी के दिन इसकी पूजा करने का एक तात्पर्य यह भी है कि यह वृक्ष आने वाली कृषि विपत्ती का पहले से संकेत दे देता है जिससे किसान पहले से भी ज्यादा पुरुषार्थ करके आनेवाली विपत्ती से निजात पा सकता है।
- जो मनुष्य अपने घर में फलदार पेड़, पौधे आदि लगाता है और उसकी भली भांति देखभाल करता है, उसे आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- जो मनुष्य 5 वट वृक्षों का रोपण और उसका पालन किसी चौराहे या मार्ग में करता है तो, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती है। जो मनुष्य नीम के वृक्ष जितने अधिक लगाता है उतनी अधिक उसकी पीढ़ियां तर जाती है.
- वृक्षों के बाग या वाटिका लगाने वाला प्रसिद्धि प्राप्त करता है।
- जो भी व्यक्ति बिल्व वृक्ष का रोपण शिव मंदिर में करता है वह अकाल मृत्यु से मुक्त हो जाता है।
- घर में तुलसी, आंवला, निर्गुण्डी, अशोक, आदि के वृक्ष शुभ फलदायी होते हैं। शीशम के 11 वृक्ष को सड़क पर लगाने से यह लोक और परलोक दोनों ही संवर जाते हैं।
- कनक चम्पा के 2 वृक्ष लगाने वाले का सर्वार्थ कल्याण हो जाता है।
- 5 या अधिक महुआ के वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला धन प्राप्त करता है। तथा उसे अनुरूप यज्ञों का फल भी प्राप्त होने लगता है।
- जो भी मनुष्य सड़क के किनारे 2 या 2 से अधिक मौलश्री के वृक्षों का रोपण एवं पालन करता है। वह एक सौ यज्ञों को करने का पुण्य प्राप्त करता है।
- जो भी मनुष्य 5 या अधिक अशोक वृक्ष का रोपण और पालन करता है, उसके घर परिवार में कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती है। उसके यहां अचानक कोई बड़ी मुसीबत खड़ी नहीं होती तथा उसे आगामी जन्म में पुण्यात्मा होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।
- जो मनुष्य 5 पलास के वृक्षों का रोपण और पालन करते हैं। उसे 10 गौवों के दान के समतुल्य पुण्य लाभ मिलता है। पलास के वृक्षों को सड़क के किनारे अथवा किसी बड़े क्षेत्र में रोपना चाहिए। इसका रोपण घर में नहीं करना चाहिए।
- जो भी मनुष्य 2 या अधिक हारसिंगार (पारिजात) के पौधों का रोपण श्री हनुमानजी के मंदिर में अथवा नदी के किनारे या किसी भी सामाजिक स्थल पर करता है तो उसे एक लक्ष्य तोला स्वर्णदान के समतुल्य पुण्य प्राप्त होता है तथा उसे जीवन भर श्री हनुमानजी की कृपा मिलती रहती है।
- जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन, प्रदोष वाले दिन, शिवरात्री को, श्रावणमास में किसी भी दिन अथवा शिवयोग वाले दिन 5 या अधिक बिल्व वृक्षों का रोपण और उसका नियमित पालन भी करता है तो उसे शिवलोक प्राप्त होता है। यदि इन वृक्षों को कोई भी मनुष्य शिव मंदिर में या मंदिर के समीप रोपण करता है तो निश्चय ही वह कोटि कोटि पुण्य का भागीदार तो होता ही है और उसे व उसके परिवार पर भगवान शिव की असीम अनुकम्पा भी प्राप्त होती है।

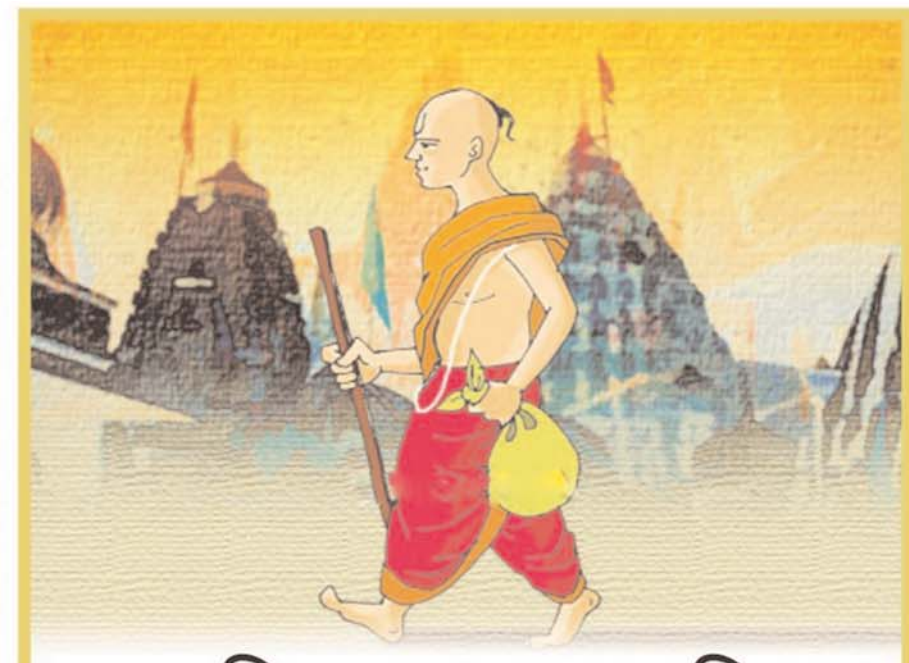

परिक्रमा या प्रदक्षिणा के 10 प्रकार

सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर यह सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। संपूर्ण ब्रह्माण में चक्र और परिक्रमा का बड़ा महत्व है। भारतीय धर्मों (हिन्दू, जैन, बौद्ध आदि) में पवित्र स्थलों के चारो ओर श्रद्धाभाव से चलना 'परिक्रमा' या 'प्रदक्षिणा' कहलाता है। आओ जानते हैं कि किन किन की परिक्रमा की जाती है या कितने प्रकार की परिक्रमा की जाती है। ये हैं प्रमुख 10 परिक्रमाएं -

देवमंदिर परिक्रमा
जैसे देव मंदिर में जगन्नाथ पुरी परिक्रमा, रामेश्वरम, तिरुवन्नमल, तिरुवनन्तपुरम, शक्तिपीठ, ज्योतिर्लिंग आदि।

देव मूर्ति परिक्रमा
देवमूर्ति में शिव, दुर्गा, गणेश, विष्णु, हनुमान, कार्तिकेय आदि देवमूर्तियों की परिक्रमा करना।

नदी परिक्रमा
जैसे नर्मदा, सिंधु, सरस्वती, गंगा, यमुना, सरयु, क्षिप्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी परिक्रमा आदि।

पर्वत परिक्रमा
जैसे गोवर्धन परिक्रमा, गिरनार, कामदगिरि, मेरू पर्वत, हिमालय, नीलगिरी, तिरुमलै परिक्रमा आदि।

वृक्ष परिक्रमा
जैसे पीपल और बरगद की परिक्रमा करना।

तीर्थ परिक्रमा
जैसे चौरासी कोस परिक्रमा, अयोध्या, उज्जैन या प्रयाग पंचकोशी यात्रा, राजिम परिक्रमा, सप्तपुरी आदि।

चार धाम परिक्रमा
जैसे छोटा चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री) परिक्रमा या बड़ा चार धाम (बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम) यात्रा।

भरत खण्ड परिक्रमा
अर्थात संपूर्ण भारत की परिक्रमा करना। परिवाजक संत और साधु ये यात्राएं करते हैं। इस यात्रा के पहले क्रम में सिंधु की यात्रा, दूसरे में गंगा की यात्रा, तीसरे में ब्रह्मपुत्र की यात्रा, चौथे में नर्मदा, पांचवें में महानदी, छठे में गोदावरी, सातवें में कावेरी, आठवें में कृष्णा और अंत में कन्याकुमारी में इस यात्रा का अंत होता है। हालांकि प्रत्येक साधु समाज में इस यात्रा का अलग-अलग विधान और नियम है।

विवाह परिक्रमा
मनु स्मृति में विवाह के समक्ष वधू को अग्नि के चारों ओर तीन बार प्रदक्षिणा करने का विधान बतलाया गया है जबकि दोनों मिलकर 7 बार प्रदक्षिणा करते हैं तो विवाह संपन्न माना जाता है।

माता पिता की परिक्रमा
भगवान गणेशजी ने अपने माता पिता की परिक्रमा की थी जिससे पता चलता है कि इस परिक्रमा का क्या महत्व है।

शव परिक्रमा
जब कोई किसी का अपना देह छोड़ देता है कि उसकी देह की परिक्रमा की जाती है। दाह संस्कार करते वक्त और करने के बाद मटकी से जल अर्पित करते वक्त भी परिक्रमा की जाती है।

धरती की परिक्रमा
एक बार देवताओं के बीच में धरती परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें जीते तो भगवान कार्तिकेय थे परंतु गणेशजी ने माता पिता की परिक्रमा करके यह प्रतियोगिता जीत ली थी।

ब्रह्मांड की परिक्रमा
यह परिक्रमा नारद जी करते रहते हैं।

किस देव की कितनी बार परिक्रमा?
- भगवान शिव की आधी परिक्रमा की जाती है।
- माता दुर्गा की एक परिक्रमा की जाती है।
- हनुमानजी और गणेशजी की तीन परिक्रमा की जाती है।
- भगवान विष्णु की चार परिक्रमा की जाती है।
- सूर्यदेव की चार परिक्रमा की जाती है।
- पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमाएं करना चाहिए।
- जिन देवताओं की प्रदक्षिणा का विधान नहीं प्राप्त होता है, उनकी तीन प्रदक्षिणा की जा सकती है।

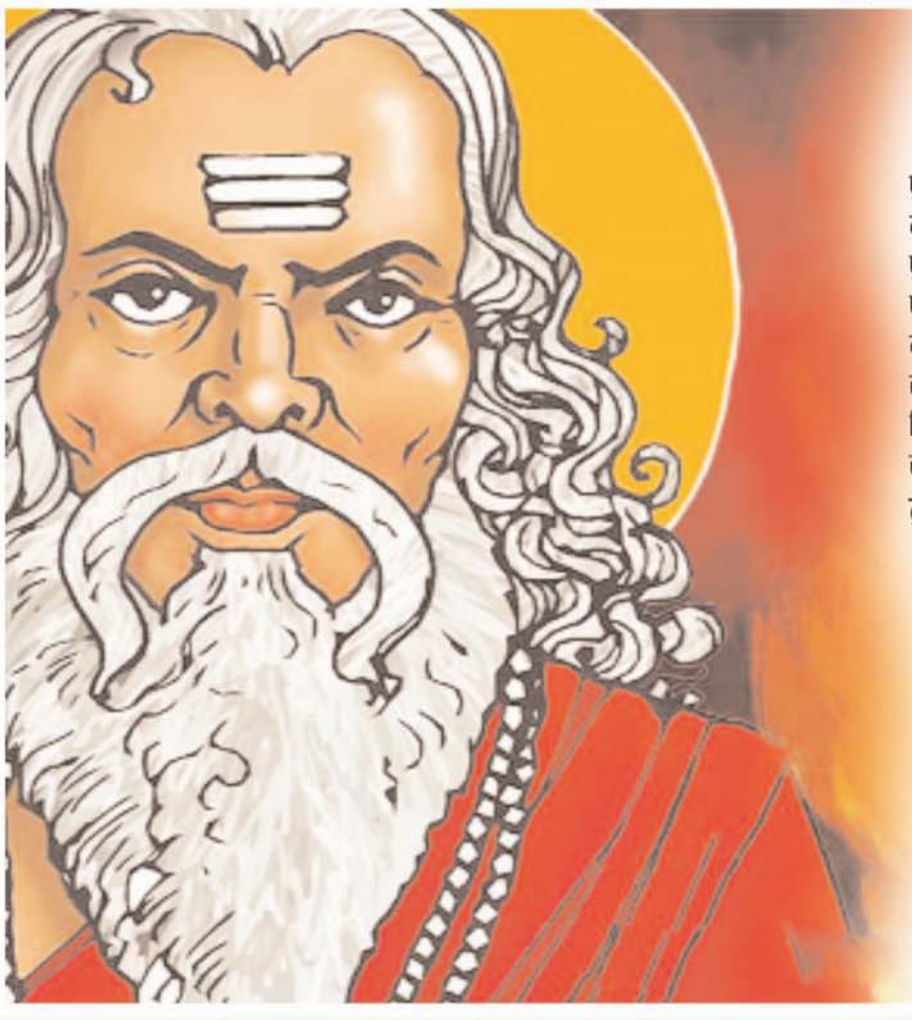

ब्रह्मा के पुत्र क्रतु ऋषि के थे 60 हजार पुत्र

पुराणों अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र- मन से मारिचि, नेत्र से अत्रि, मुख से अंगिरस, कान से पुलस्त्य, नाभि से पुलह, हाथ से कृतु, त्वचा से भृगु, प्राण से वशिष्ठ, अंगुष्ठ से दक्ष, छाया से कंदर्भ, गोद से नारद, इच्छा से सनक, सनन्दन, सनातन, सनतकुमार, शरीर से स्वायंभुव मनु, ध्यान से चित्रगुप्त आदि। आओ जानते हैं ऋषि अंगिरा के बारे में संक्षिप्त में जानकारी।

ब्रह्मा के पुत्र कृतु ऋषि :
- कृतु या क्रतु का जन्म ब्रह्माजी के हाथ से हुआ था। क्रतु 16 प्रजापतियों में से एक हैं। इनकी गणना सप्तर्षियों में की जाती है।
- ब्रह्मा की आज्ञा से उन्होंने दक्ष प्रजापति और क्रिया की पुत्री सन्नति से विवाह किया था। कहते हैं कि क्रतु और सन्नति से 'बालिखिल्य' नाम के 60 हजार पुत्र हुए। इन बालखिल्यों का आकार अंगूठे के बराबर माना जाता है। यह सभी पुत्र भगवान सूर्य के उपासक थे। सूर्य के रथ के आगे अपना मुख सूर्य की ओर किये हुए बालखिल्य चलते हैं और उनकी स्तुति करते हैं। इन ब्रह्मर्षियों की तपस्या शक्ति सूर्यदेव को प्राप्त होती रहती है।
- पुराणों अनुसार एक बार महर्षि मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप एक यज्ञ कर रहे थे। उन्होंने अपने तात महर्षि क्रतु से निवेदन किया कि वे उस यज्ञ के लिए ब्रह्मा का स्थान ग्रहण करें। अपने भतीजे के निवेदन पर महर्षि क्रतु अपने 60 हजार पुत्रों के साथ महर्षि कश्यप के यज्ञ में पधारे। उसी यज्ञ में देवराज इंद्र और महर्षि क्रतु के पुत्र बालखिल्यों में विवाद हो चला तब अपने पिता और महर्षि कश्यप द्वारा बीच-बचाव करने पर बालखिल्यों ने ही पक्षीराज गरुड़ को महर्षि कश्यप को पुत्र रूप में प्रदान किया था।
- पुराणों में महर्षि क्रतु की दो बहनों- पुण्य एवं सत्यवती का भी वर्णन मिलता है। महर्षि क्रतु और सन्नति की एक पुत्री का नाम भी पुण्य था। इसके साथ ही पर्वासा नाम की एक पुत्रवधु का भी वर्णन मिलता है।
- सर्वप्रथम वेद एक रूप में ही ब्रह्मा द्वारा उत्पन्न किए गए थे। बाद में महर्षि क्रतु ने ही वेदों के चार भाग करने में उनकी सहायता की थी। आगे चलकर वराहकल्प में क्रतु ऋषि ही महाभारत काल में वेद व्यास ऋषि हुए।
- मनु के पुत्र उत्तानपाद और उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव से महर्षि क्रतु अत्यंत प्रेम करते थे। जब अपने पिता से उपेक्षित होकर ध्रुव ने परमलोक की प्राप्ति करने की सोची तो सबसे पहे वो महर्षि क्रतु के पास गया। क्रतु ने ध्रुव को भगवान विष्णु की तपस्या करने की सलाह दी। बाद में देवर्षि नारद द्वारा अनुमोदन करने पर ध्रुव ने विष्णुजी की घोर तपस्या की और उनकी कृपा से परमलोक को प्राप्त हुआ। क्रतु ऋषि नाम का एक तारा है जो ध्रुव की परिक्रमा करने में आज भी लीन है। ध्रुव के प्रति अपने प्रेम के कारण ही महर्षि क्रतु उसके समीप चले गए।
- पुराणों में महर्षि क्रतु को महर्षि अगस्त्य के वातापि भक्षण और समुद्र को पी जाने के कारण उनकी प्रशंसा करते हुए भी बताया गया है। कुछ ग्रंथों में इस बात का वर्णन है कि महर्षि क्रतु ने महर्षि अगस्त्य के पुत्र ईधवाहा को भी गोद लिया था। इसके अलावा महाराज भरत ने महर्षि क्रतु से देवताओं के चरित्र के विषय में प्रश्न किया था। तब महर्षि क्रतु ने उनकी इस शंका का समाधान किया था।
- क्रतु नाम से एक अग्नि का नाम भी है और श्रीकृष्ण और जाम्बवती के कई पुत्रों में से एक का नाम क्रतु था। प्लक्षद्वीप की एक नदी का नाम भी क्रतु है। क्रतु का एक अर्थ 'आषाढ़' भी होता है और वर्ष के इसी मास में अधिकांश यज्ञ करने का प्रावधान शास्त्रों में बताया गया है।
- मैत्रेय संहिता के अनुसार एक बार यज्ञ से प्राप्त पशुओं का देवाताओं ने विभाजन कर दिया और उन्होंने रुद्र को उस विभाजन के हिस्से में शामिल नहीं किया तब रुद्रदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने देवताओं पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में पूषणा के दन्त, भग के नेत्र और क्रतु के अंडकोषों को नष्ट हो गए। बाद में ब्रह्माजी ने उनकी स्तुति करके उन्हें शांत किया और उन्हें 'पशुपति' की उपाधि दी। फिर रुद्रदेव ने सभी को पहले जैसा कर दिया।

दुर्ग में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर भव्य यूनिटी मार्च, एकजुटता का दिया संदेश

दुर्ग । देश के पहले उप-प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर, जिसे केंद्र सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है, दुर्ग जिले में एक भव्य 'यूनिटी मार्च' (एकता मार्च) का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों, स्कूली छात्रों और जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि शामिल

इस अवसर पर दुर्ग निगम की महापौर अलका बाघमार, सांसद विजय बघेल और दुर्ग ग्रामीण के विधायक ललित चंद्राकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और मार्च में सक्रिय रूप से भाग लिया।

एकता और अखंडता का संदेश:

यूनिटी मार्च का मुख्य उद्देश्य सरदार वल्लभभाई पटेल के एकता, अखंडता और आपसी समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना था। बुधवार को दुर्ग पटेल चौक से हाथ में तिरंगा और तख्तियां लिए स्कूली छात्र और नागरिक शहर के मुख्य मार्गों से गुजरे और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के नारे लगाए। जनप्रतिनिधियों ने इस मौके पर लोकतंत्र प्रहरी के संवाददाता से कहा कि सरदार पटेल ने अपने दृढ़ संकल्प से 562 से अधिक रियासतों को भारतीय संघ में एकीकृत किया, जिससे आधुनिक भारत का निर्माण संभव हो सका। उन्होंने कहा कि आज के समय में भी सरदार पटेल के बताए मार्ग और उनके सिद्धांत प्रासंगिक हैं और हमें उनके आदर्शों पर चलते हुए देश की एकता को बनाए रखना चाहिए। यह मार्च सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अविस्मरणीय योगदान को एक सच्ची श्रद्धांजलि थी।

छत्तीसगढ़ का परचम लहराया, गतका फेडरेशन कप में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

दुर्ग/बैंगलोर। बैंगलोर के यूनिवर्सिटी ग्राउंड में 7 से 9 नवंबर तक आयोजित गतका फेडरेशन कप एवं द्वितीय पाइथियन खेल में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से राज्य का मान बढ़ाया। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता नेशनल गतका एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित की गई थी, जिसमें देश के 8 राज्यों की श्रेष्ठ टीमें शामिल हुईं। छत्तीसगढ़ की ओर से खेलते हुए अर्शदीप सिंह ने सिंगल सोटी व्यक्तिगत इवेंट में शानदार खेल दिखाकर रजत पदक जीता। इसके अलावा टीम इवेंट में उत्कृष्ट तालमेल का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने कांस्य पदक भी अपने नाम किया। सिंगल सोटी वर्ग में गुरताज सिंह, गुरप्रीत सिंह, और समर्थ सिंह ने उम्दा प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। महिला वर्ग में डिम्पल कौर, विधि गुप्ता, और निधि गुप्ता ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतकर राज्य का नाम रौशन किया। ब्वॉयज टीम के कोच राजवीर सिंह और गर्ल्स टीम की कोच रोहिणी धीमान के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने अनुशासन, तकनीक और टीम स्पिरिट का बेहतरीन प्रदर्शन किया। साथ ही, छत्तीसगढ़ के अमन सिंह का चयन नेशनल रैफरी के रूप में हुआ, जो राज्य के लिए गर्व की उपलब्धि रही। इस शानदार उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ गतका एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू को खेल जगत और समाज के हर वर्ग से सराहना मिली। वे लगातार प्रदेश में गतका खेल के प्रचार-प्रसार, प्रशिक्षण शिविरों और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अवसर दिलाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी आज जिस जज्बे और समर्पण से खेल रहे हैं, वह गर्व का विषय है। हम लगातार युवाओं को पारंपरिक खेल 'गतका' से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि यह कला आने वाली पीढ़ियों में और प्रखर हो। इन खिलाड़ियों की मेहनत और जीत यह साबित करती है कि अगर जुनून और अनुशासन हो, तो छोटा राज्य भी राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा नाम कमा सकता है। इस अवसर पर महासचिव जसवन्त सिंह खालसा, मलकीत सिंह, रंजीत सिंह, कल्पना स्वामी, जसबीर सिंह चहल, पलविंदर सिंह, सुच्चा सिंह, गुरनाम सिंह सहित कई खेलप्रेमियों ने सभी खिलाड़ियों, कोचों और मार्गदर्शकों को हार्दिक बधाई दी।

85 लाख रुपये गबन मामला: एक और आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग,12नवंबर । पुलगांव पुलिस ने ईसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक में 85 लाख रुपये के गबन के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। हरीश पोया नामक आरोपी की गिरफ्तारी के साथ ही,इस मामले में अब तक पकड़े गए कुल आरोपियों की संख्या 10 हो गई है।

ज्ञात हो कि,ईसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक, शाखा दुर्ग के क्षेत्रीय प्रबंधक मोहित देशमुख ने पुलगांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि बैंक के संग्रह कर्मचारियों ने 240 ग्राहकों, जिनमें हिरन बाई साहू (ग्राम चंद्रखुरी) भी शामिल थीं,से ऋण के रूप में कुल लगभग 85 लाख रुपये की राशि एकत्र की थी। हालांकि,यह राशि बैंक खाते में जमा नहीं की गई। जब बैंक ने ऋण लेने वाले ग्राहकों से संपर्क किया,तो उन्होंने बताया कि वे पहले ही भुगतान कर चुके हैं। जांच में पता चला कि बैंक की रकम को संग्रह कर्मचारियों ने अपने निजी उपयोग में खर्च कर गबन कर लिया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर, थाना पुलगांव में धारा 420 (धोखाधड़ी), 409 (लोक सेवक, या बैंकर, व्यापारी या एजेंट द्वारा आपराधिक विश्वासघात), और 120-बी (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। इस मामले में पहले 10 नवंबर 2025 को 6आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद,तीन अन्य आरोपियों को भी विगत दिनों गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। आज,मामले के एक अन्य आरोपी हरीश पोया (उम्र 28 वर्ष) को भी गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत पर भेज दिया गया है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है और अन्य संभावित संदिग्धों की तलाश जारी है।

आईआईटी भिलाई में देर रात भारी हंगामा, छात्र की मौत के बाद प्रदर्शन; दो अधिकारी निलंबित

लोकतंत्र प्रहरी,12 नवंबर। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफटेक्नोलॉजी (आई आई टी) भिलाई परिसर में बीटेक प्रथम सेमेस्टर के छात्र सौमिल साहू की मौत के बाद मंगलवार देर रात कैंपस में स्थिति तनावपूर्ण हो गई। न्याय की मांग को लेकर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं देर रात तक धरने पर बैठे रहे,जिसके कारण मौके पर पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

छात्रों ने कॉलेज प्रशासन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सौमिल की तबीयत खराब होने के बावजूद उसे समय पर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई गई, जिसके चलते उसकी जान चली गई। छात्रों ने संस्थान प्रशासन से मामले की पारदर्शी जांच और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की।

इधर,बिगड़ते हालात को देखते हुए आईआईटी भिलाई के डायरेक्टर प्रो.राजीव प्रकाश को देर रात छात्रों के बीच पहुंचे और उनके साथ लंबी बातचीत की.देर रात करीब 3 बजे दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए.

मिली जानकारी के मुताबिक इस मामले में डॉ.अतुल श्रीवास्तव को लापरवाही बरतने के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया।

इसके अलावा इस मामले की निष्पक्ष जांच एसएसपी स्तर के अधिकारी से कराने की घोषणा की गई।

डायरेक्टर ने छात्रों से शांति बनाए रखने और जांच में सहयोग करने की अपील की है। हालांकि,छात्रों ने साफ किया है कि जब तक पूरी सच्चाई सामने नहीं आती और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती,उनका आंदोलन जारी रहेगा।

आपको बता दें, कि मध्य प्रदेश के हरदा निवासी 18 वर्षीय सौमिल साहू इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रथम सेमेस्टर का छात्र था। मंगलवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। इस घटना के बाद पूरे आईआईटी भिलाई कैंपस में शोक के साथ-साथ भारी आक्रोश का माहौल है।

60 किलो गांजे के साथ दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार, 22 लाख की जब्ती

महासमुंद। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और थाना बसना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अवैध मादक पदार्थ तस्करी का बड़ा नेटवर्क पकड़ा गया है। पुलिस ने ओडिशा से उत्तर प्रदेश ले जाए जा रहे 60 किलो गांजा जब्त किया है। इस दौरान दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त माल की अनुमानित कीमत 12 लाख रुपये, जबकि ट्रक, मोबाइल आदि मिलाकर कुल जब्ती 22 लाख 10 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस को 10 नवंबर को सूचना मिली थी कि ओडिशा से गांजे की बड़ी खेप आयशर ट्रक से महासमुंद मार्ग होते हुए उत्तर प्रदेश जा रही है। सूचना के बाद जिले की सीमाओं पर सख्त नाकाबंदी की गई। इस दौरान पलसापाली बैरियर के पास संदिग्ध ट्रक को रोककर जांच की गई। तलाशी के दौरान ट्रक की तिरपाल के नीचे तीन बोरों में छिपाकर रखा गया 60 किलो गांजा बरामद किया गया। ट्रक में सवार दोनों आरोपियों की पहचान सद्दाम हुसैन (34) और कियामुद्दीन (26), दोनों निवासी प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि वे ओडिशा से गांजा लेकर उत्तर प्रदेश में बेचने जा रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफएनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल दोनों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। अधिकारियों ने इस कार्रवाई को मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता बताया है।

तकनीकी क्षमता और उपयोग, अपराध नियंत्रण में सहायक

दुर्ग पुलिस के बेड़े में शामिल हुए हाईटेक ड्रोन; सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी होगी मजबूत

दुर्ग,भिलाई। जिले की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दुर्ग पुलिस को दो अत्याधुनिक ड्रोन की सौगात मिली है। इन ड्रोनों का प्रदर्शन मंगलवार दुर्ग पुलिस लाइन में किया गया, जहां दुर्ग रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) राम गोपाल गर्ग विशेष रूप से मौजूद रहे।

तकनीकी क्षमता और उपयोग

पुलिस विभाग ने सुरक्षा तंत्र को आधुनिक बनाने के लिए चंडीगढ़ से कुल दो ड्रोन खरीदे हैं, जिनमें एक बड़ा और एक छोटा मॉडल शामिल है। ये दोनों ड्रोन 5 किलोमीटर की परिधि तक प्रभावी निगरानी करने में सक्षम हैं। तकनीकी विवरण साझा करते हुए बताया गया कि छोटे ड्रोन की कीमत पांच लाख रुपये है, जो 1600 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है और 4के कैमरे से लैस है। वहीं, दस लाख रुपये की लागत वाले बड़े ड्रोन में नाइट विजन (रात्रि दृष्टि) क्षमता के साथ हाई डेफिनिशन कैमरा लगा है और यह भी 1600 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम है।

अपराध नियंत्रण में सहायक

आईजी राम गोपाल गर्ग ने बताया कि ये ड्रोन छह प्रोपेलर (पंखों) की मदद से अधिक स्थिर और सुरक्षित उड़ान भरते हैं, जिससे स्पष्ट फुटेज प्राप्त होते हैं। इन ड्रोनों का उपयोग मुख्य रूप से बड़ी रैलियों, भीड़ प्रबंधन, सर्वेक्षण, औद्योगिक क्षेत्रों की निगरानी, आपदा प्रबंधन और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखने के लिए किया जाएगा।पुलिस का मानना है कि इस नई तकनीक से न केवल पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने में भी बड़ी मदद मिलेगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com